संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-22 अंक- 295
पृष्ठ 8
बुधवार
15 जुलाई 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- जमीन पर कुछ देर बैठने के...

विचार- क्या है, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस...

खेल- मिशन 2027 वनडे विश्वकप...

अयोध्या की आड़ में देश की अस्मिता और आस्था पर प्रहार, सीएम योगी बोले-

पहले बेटी और व्यापारी असुरक्षित थे, आज यूपी निवेशकों की पहली पसंद

लखनऊ,संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जिनके लिए राष्ट्र सर्वोपरि नहीं है, वे देश की अस्मिता व आस्था पर लगातार प्रहार कर रहे हैं। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के मामले में ट्रस्ट के अनुरोध पर एसआईटी निष्पक्ष जांच कर रही है और आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। नैतिक आधार पर इस्तीफे हुए हैं। लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण घटना की आड़ में जो लोग आस्था के साथ खिलवाड़ करने की कोशिश कर रहे हैं, हिंदू धामों पर प्रहार कर रहे हैं, ये वही लोग हैं जो गरीबों के हक पर डकैती डालते थे और हनुमानगढ़ी जैसे पवित्र स्थल पर नमाज पढ़वाने का कुत्सित प्रयास करते थे। सीएम ने जनता से राष्ट्रीय मूल्यों को ठेस पहुंचाने वाली ऐसी ताकतों से सजग रहने की अपील की। मुख्यमंत्री श्रृंचाइयों पर यूपीश कार्यक्रम में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने पिछले 9 वर्षों से अधिक समय के कार्यकाल में उत्तर प्रदेश में आए युगांतकारी परिवर्तनों और उपलब्धियों को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और डबल इंजन सरकार के दृढ़ संकल्प से आज उत्तर प्रदेश श्बीमारूश राज्य की श्रेणी से बाहर निकलकर देश की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हो चुका है। यूपी में 2017 से पहले हर तीसरे दिन दंगा होता था, महीनों तक कर्फ्यू रहता था। बेटी व व्यापारी सुरक्षित नहीं थे। 35 से ज्यादा ऐसे जनपद थे, जहां लोगों ने बेटी को यूपी के बाहर हॉस्टल या रिश्तेदार के घर भेजकर पढ़ाई कराई। अन्य लोग बेटियों की सुरक्षा के लिए उन्हें स्कूल भेजना ही बंद कर देते थे। व्यापारी को पता नहीं होता था कि घर लौट पाएगा या नहीं। किसान अपने खेत में जाने से डरता था। देश में कहीं विस्फोट होता था, तो यूपी का नाम जुड़ता था। पिछली सरकारों में दंगाइयों को मुख्यमंत्री आवास में बुलाकर सम्मानित किया जाता था। माफियाओं के सामने सरकारें नतमस्तक होकर नाक रगड़ती थीं। नई पीढ़ी को यह जानकारी देने की आवश्यकता है। लेकिन पिछले 9 वर्षों में हमारी पहचान दंगा, कर्फ्यू और उपद्रवमुक्त उत्तर प्रदेश के रूप में बनी है। उत्तर प्रदेश में अब बेटी, व्यापारी समेत हर व्यक्ति सुरक्षित है। सुरक्षा का वातावरण नहीं बना होता तो कोई निवेशक यूपी में नहीं आता। हमने 2017 अक्टूबर में इन्वेस्टर समिट की योजना बनाई और इसके लिए पॉलिसी तैयार की। नतीजा यह कि यूपी को 50 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव मिल चुके हैं, जिसमें 15 लाख करोड़ रुपये से अधिक के प्रोजेक्ट धरातल पर उतारे जा चुके हैं। 2017 के पहले लखनऊ की चिकनकारी, फिरोजाबाद का ग्लास, मुरादाबाद का पीतल, मेरठ का स्पोर्ट्स, भदोही का कालीन व बनारस का साड़ी उद्योग दम तोड़ रहा था। उद्यमियों व कारोबारियों के पास घर बैठने के सिवा कोई चारा नहीं था। मुख्यमंत्री ने कहा कि यूपी के बजट को 3 लाख करोड़ से बढ़कर 9 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। 2016–17 में यूपी की कुल जीएसडीपी 12 लाख करोड़ रुपये थी, जो अब 36 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गई है। तब प्रति व्यक्ति आय महज 43 हजार रुपये थी, जो अब 1.20 लाख रुपये से अधिक है।

राजनाथ सिंह का बयान

ऑपरेशन विजय सिर्फ सैन्य जीत नहीं, साहस और देशभक्ति का अध्याय था

नयी दिल्ली,एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 1999 के कारगिल युद्ध की 27वीं वर्षगांठ के मौके पर आयोजित एक समारोह में श्ऑपरेशन विजयश को न केवल एक सैन्य जीत, बल्कि साहस, धैर्य, अनुशासन और देशभक्ति के प्रदर्शन के तौर पर भी बताया। मंगलवार को कारगिल विजय दिवस से पहले, सिंह ने नेशनल वॉर मेमोरियल पर 'शौर्य विजय यात्रा' मोटरसाइकिल अभियान को हरी झंडी दिखाई। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम उन भारतीय सैनिकों के साहस, बलिदान और अटूट जज्बे को श्रद्धांजलि है जिन्होंने इस लड़ाई में हिस्सा लिया था।

सिंह ने कहा कि आज का यह मौका सिर्फ मोटरसाइकिल अभियान को हरी झंडी दिखाने का नहीं है, बल्कि उस अटूट जज्बे को नमन करने का है, जिसकी वजह से हमारे बहादुर नायकों ने भारत के सम्मान, गर्व और गौरव के लिए सब कुछ न्योछावर कर दिया। मैं उस संकल्प को नमन करने आया हूँ, जो हमारी अमर शहीदों की यादों को पीढ़ी–दर–पीढ़ी जिंदा रखने के वादे के साथ आगे बढ़ रहा है। रक्षा मंत्री ने इस अभियान के नाम और मोटो (ध्येय वाक्य) का महत्व बताते हुए कहा कि इस यात्रा का नाम हीदृ'शौर्य विजय यात्रा' (वीरता और जीत की यात्रा)दृ अपने आप में एक प्रेरणा है। और इसका मोटोदृ'एक राइड, एक राष्ट्र, एक सलाम'दृइस अभियान की भावना को बहुत गहरे और सार्थक ढंग से जाहिर करता है। शायद इससे ज्यादा सुंदर या प्रभावशाली संदेश कोई और नहीं हो सकता।

युद्ध के दौरान सैनिकों की बहादुरी को याद करते हुए सिंह ने कहा कि लगभग 20,000 फीट की ऊंचाई पर दृ जहां सांस लेना मुश्किल होता है, ऑक्सीजन का स्तर कम होता है और तापमान माइनस 40 डिग्री तक गिर जाता है दृ हमारे बहादुर सैनिकों ने ऐसे मुश्किल और विपरीत माहौल में भी नामुमकिन को मुमकिन कर दिखाया। जहां कुदरत ने रास्ता रोक दिया था, वहां हमारे सैनिकों ने अपनी बेमिसाल हिम्मत से इतिहास में एक नया रास्ता बनाया। सिंह के मुताबिक, ऑपरेशन विजय एक ऐसा अध्याय है जिसका अध्ययन दुनिया भर की सेनाएं करती हैं और उसे सम्मान की नजर से देखती हैं। उन्होंने बताया कि यह अभियान 13 दिनों में लगभग 1,900 किलोमीटर की दूरी तय करेगा। इसकी शुरुआत नेशनल वॉर मेमोरियल से होगी और यह चंडीमंदिर, पंजाब, हिमाचल प्रदेश और लद्दाख से होते हुए 26 जुलाई को कारगिल वॉर मेमोरियल पहुंचेगा। सिंह ने कहा कि यह सिर्फ दूरी तय करने का सफर नहीं होगाय यह इतिहास, बलिदान और देशभक्ति से जुड़ने का सफर होगा।

कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर जनता पर बोझ बढ़ाने का लगाया आरोप

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने कहा है कि खुदरा महंगाई 17 महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई है और आरोप लगाया कि केंद्र की मोदी सरकार की आर्थिक नीतियों के कारण आम जनता पर महंगाई का बोझ लगातार बढ़ रहा है। कांग्रेस महासचिव और संचार विभाग प्रभारी जयराम रमेश ने मंगलवार को जून महीने में खुदरा महंगाई के 17 महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंचने को लेकर मोदी सरकार को

घेरा है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार के 12 वर्षों का सार झूठे वादों, बढ़ती महंगाई और बेरोजगारी के रूप में सामने आया है। रमेश ने कहा कि सरकारी आंकड़ों के अनुसार जून में खुदरा महंगाई दर बढ़कर 4.38 प्रतिशत हो गई है, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में यह 4.74 प्रतिशत दर्ज की गई है। उनके अनुसार लगातार बढ़ती महंगाई ने आम परिवारों का घरेलू बजट पूरी तरह बिगाड़ दिया है और लोगों के लिए रोजमर्रा की जरूरतों का खर्च उठाना मुश्किल होता जा रहा है। उन्होंने कहा कि महंगाई बढ़ने के साथ बैंकों की ब्याज दरों में वृद्धि की आशंका भी जताई जा रही है। यदि ऐसा होता है तो घर और वाहन ऋण लेने वाले मध्यम वर्ग के लोगों पर ईएमआई का अतिरिक्त बोझ पड़ेगा। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि सरकार की आर्थिक नीतियों का लाभ केवल बड़े पूंजीपतियों को मिल रहा है, जबकि आम जनता महंगाई और बढ़ती आर्थिक चुनौतियों का सामना कर रही है। उन्होंने कहा कि मुनाफा पूंजीपतियों की जेब में जा रहा है और बोझ आम जनता की पीठ पर पड़ रहा है। श्री रमेश ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से महंगाई के मुद्दे पर जवाब देने और आम लोगों की परेशानियों का समाधान निकालने की मांग की है।

माइलेज कम तो दाम भी कम हो : केजरीवाल

नई दिल्ली,एजेंसी। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आज एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर ई20 पेट्रोल की दाम कम की अपील की है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से ई20 ईंधन की कीमतों में कटौती की मांग करते हुए तर्क दिया कि इसकी माइलेज कम होने के कारण इसके दाम भी कम होने चाहिए। केजरीवाल ने प्रधानमंत्री से मुलाकात का समय भी मांगा है। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा, श्मैंने प्रधानमंत्री मोदी से निवेदन किया है कि ई20 के दाम कम होने चाहिए क्योंकि ई20 की माइलेज कम है तो उसके दाम भी कम होने चाहिए। मैंने उनसे मिलने का समय भी मांगा है। मैं सभी से कहना चाहता हूं कि जो–जो लोग इन सभी से दुखी हैं, वे अपनी वीडियो बना–बनाकर सोशल मीडिया पर डालें क्योंकि यह सरकार इतनी आसानी से हमारी बात नहीं सुनेगी। केजरीवाल ने ई20 ईंधन को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा है।

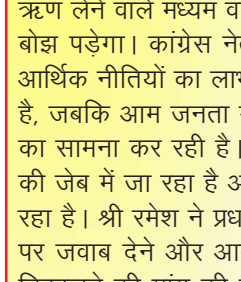

सुप्रीम कोर्ट का 3 लैंग्वेज पॉलिसी पर रोक से इनकार,कहा-

कोई भी भाषा सीखना कभी बेकार नहीं जाता, सीबीएसई ने इसी सत्र से लागू किया

नई दिल्ली,एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन (सीबीएसई) की थ्री–लैंग्वेज पॉलिसी पर रोक लगाने से इनकार कर दिया।

यह पॉलिसी मौजूदा 2026–27 सत्र से लागू कर दी गई है। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस वी. मोहना की बेंच अब इस मामले में बुधवार को सुनवाई करेगी।

याचिकाकर्ताओं ने अपनी अपील में कहा कि नई पॉलिसी के अनुसार, छात्रों को दो भारतीय भाषाएं पढ़नी होंगी। उन्हें वे भाषाएं छोड़नी पड़ेंगी, जिन्हें वे क्लास 5 से लगातार पढ़ रहे हैं। इसके अलावा इसमें अंग्रेजी

को गैर–मूल भाषा माना गया। साथ ही मूल भाषाओं के लिए शिक्षकों और पाठ्यपुस्तकों की उपलब्धता पर चिंता जताई।

सीबीएसई ने थ्री लैंग्वेज पॉलिसी पर 6 जून को यूटर्न लिया और नई गाइडलाइन जारी की थी। इसके मुताबिक, इस साल 10वीं में पढ़ रहे छात्रों को तीसरी भाषा की परीक्षा नहीं देनी होगी।

7वीं, 8वीं और 9वीं के वे छात्र, जिन्होंने पहले से दो विदेशी भाषाएं चुनी हैं, वे अपनी वही भाषाएं जारी रख सकेंगे। हालांकि, उन्हें इसके साथ एक भारतीय भाषा भी पढ़नी होगी।

इन छात्रों को 10वीं में आने पर तीसरी भाषा की बोर्ड परीक्षा नहीं देनी होगी। ब्ठैम् के इस फैसले से 50 लाख छात्र–छात्राओं को राहत मिली है। वर्तमान कक्षा 10 : सत्र 2026–27 के लिए कोई बदलाव नहीं किया गया है। छात्र पहले की तरह केवल दो भाषाओं के साथ ही बोर्ड परीक्षा देंगे। तीसरी भाषा न पढ़नी होगी और न ही उसकी बोर्ड परीक्षा देनी होगी।

वर्तमान कक्षा 9 : इस बैच के छात्रों को 3 भाषाएं पढ़नी होंगी, जिनमें कम से कम 2 भारतीय भाषाएं जरूरी होंगी। हालांकि, जब ये छात्र अगले साल क्लास 10 में पहुंचेंगे, तब तीसरी भाषा की बोर्ड परीक्षा नहीं होगी। तीसरी भाषा का मूल्यांकन स्कूल स्तर पर किया जाएगा।

वर्तमान कक्षा 7 और 8 : इन छात्रों के लिए भी यही व्यवस्था रहेगी। तीसरी भाषा पढ़नी होगी।

परीक्षा रद्द होने से नाराज राहुल गांधी, अभ्यर्थियों के लिए मांगी आयु सीमा में छूट

नयी दिल्ली,एजेंसी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने महाराष्ट्र में शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) का प्रश्नपत्र कथित तौर पर लीक होने के कारण परीक्षा रद्द किए जाने के बाद इसकी नई तिथि की घोषणा में विलंब को लेकर मंगलवार को चिंता जताई और कहा कि तत्काल नई तारीख की घोषणा की जाए व प्रभावित अभ्यर्थियों को आयु सीमा में छूट भी प्रदान की जाए। उन्होंने यह आरोप भी लगाया कि प्रश्नपत्र लीक होने की गलती व्यवस्था की है, लेकिन इसकी सजा ईमानदारी से तैयारी करने वाले लाखों अभ्यर्थी भुगत रहे हैं। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने एक्स पर पोस्ट किया कि परीक्षा रद्द होने के दो सप्ताह बाद भी नई तारीख घोषित नहीं की गई है और करीब छह लाख अभ्यर्थी अधर में हैं। उन्होंने यह भी कहा कि ये वही अभ्यर्थी हैं जिन्होंने वर्षों तक तैयारी की, आवेदन शुल्क जमा किया और दूर–दराज के परीक्षा केंद्रों तक पहुंचे, लेकिन अब बिना किसी स्पष्ट जवाब और नई तारीख के इंतजार कर रहे हैं। राहुल गांधी ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से तीन मांगें की। उनका कहना है कि टीईटी की नई परीक्षा तिथि तत्काल घोषित की जाए, प्रश्नपत्र लीक के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई हो तथा इस कारण जिन अभ्यर्थियों का एक वर्ष प्रभावित हुआ है, उन्हें आयु सीमा में छूट दी जाए। गलती संस्था की, सजा अभ्यर्थी को, यह इंसाफ नहीं है।

राम मंदिर दान घोटाला: कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरी बोले-इस्तीफा नहीं दूंगा

पुणे,एजेंसी। अयोध्या के राम मंदिर में दान की कथित चोरी के मामले में श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरी महाराज ने मंगलवार को साफ किया कि वे अपने पद से इस्तीफा नहीं देंगे। उन्होंने माना कि निगरानी में कुछ चूक जरूर हुई है, लेकिन खुद को व्यक्तिगत रूप से दोषी नहीं मानते। पुणे में मीडिया से बातचीत में गिरी महाराज ने कहा कि इस मामले में अब तक जितने लोग गिरफ्तार हुए हैं, वे सभी भारतीय स्टेट बैंक के कर्मचारी हैं। ऐसे में उनकी नियुक्ति और जांच की जिम्मेदारी बैंक की थी। उन्होंने कहा कि बैंक अधिकारियों को ज्यादा सतर्क रहना चाहिए था। उन्होंने दान चोरी की रकम को लेकर कहा कि उनका व्यक्तिगत अनुमान करीब तीन करोड़ रुपये का है, लेकिन यह आधिकारिक आंकड़ा नहीं है। उन्होंने चल रही एसआईटी जांच और सुप्रीम कोर्ट की निगरानी पर संतोष जताया। गोविंद देव गिरी महाराज ने कहा कि उनके इस्तीफे की खबरें पूरी तरह गलत और भ्रामक हैं। उन्होंने कहा, मैं छत्रपति शिवाजी महाराज का अनुयायी हूं, मैं भागने वालों में से नहीं हूं।

आईजीआरएस रैंकिंग में जिले से आगे निकल गई करछना तहसील

प्रयागराज। आईजीआरएस रैंकिंग में करछना तहसील प्रयागराज जिले से आगे निकल गई लेकिन कुछ तहसीलों का प्रदर्शन अच्छा न होने से जिले की रैंक में सुधार नहीं हो पा रहा है। आईजीआरएस में प्रयागराज को जून माह में 67वीं रैंक हासिल हुई है। तहसील स्तर पर करछना तहसील को 17वां स्थान हासिल हुआ है। प्रयागराज की तहसील सदर को 40वीं रैंक हासिल हुई है। आठ में से पांच तहसीलों की रैंक 100 के अंदर है जबकि तीन तहसीलों की रैंक 100 से ऊपर है। आईजीआरएस रैंकिंग में फूलपुर तहसील को प्रदेश में 68वां, हंडिया को 87वां, कोरांव को 98वां, मेजा को 101वां, सोरांव को 112वां और तहसील बारा को 203वां स्थान प्राप्त हुआ है। रैंकिंग में पिछड़ने की प्रमुख वजह शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण न होना और इसकी वजह से असंतोषजनक फीडबैक प्राप्त होना है। हालांकि, इस दिशा में सुधार के लिए डीएम मनीष कुमार वर्मा हर हफ्ते तहसीलों की समीक्षा बैठक कर रहे हैं। डीएम समेत एडीएम रैंक के अफसर शिकायतकर्ताओं से सीधे फोन पर बात कर फीडबैक भी ले रहे हैं ताकि यह पता लगाया जा सके कि लापरवाही किस स्तर से हो रही है।

परिस्थितियों के अनुसार तय की जा सकती है पत्नी को भरण-पोषण के लिए राशि

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि पत्नी को भरण–पोषण के रूप में पति की शुद्ध (नेट) आय का 25 प्रतिशत देना कोई अनिवार्य नियम नहीं है। यह केवल एक सामान्य नियम है। प्रत्येक मामले के तथ्यों और परिस्थितियों के आधार पर अदालत इससे अधिक या कम राशि भी निर्धारित कर सकती है। यह आदेश न्यायमूर्ति अचल सचदेव की पीठ ने पत्नी की याचिका पर दिया। याचिका में कानपुर देहात की परिवार न्यायालय के उस आदेश को चुनौती दी गई थी जिसमें पत्नी को 12 हजार रुपये प्रतिमाह भरण–पोषण देने का निर्देश दिया गया था। कोर्ट ने कहा कि तलाक का डिक्री पारित होने मात्र से विधिक रूप से पत्नी का भरण–पोषण पाने का अधिकार समाप्त नहीं हो जाता।

यदि पत्नी स्वयं अपना भरण–पोषण करने में सक्षम नहीं है, उसने पुनर्विवाह नहीं किया है और वह व्यभिचार में नहीं रह रही है, तो वह भरण–पोषण पाने की हकदार रहेगी। याची की ओर से अधिवक्ता ने दलील दी कि पति का सकल मासिक वेतन 86,674 रुपये था, जबकि उसके खाते में 67,043 रुपये जमा हो रहे थे। कोर्ट ने कहा कि परिवार न्यायालय ने पति की ओर से सुप्रीम कोर्ट के राजनेश मामले में निर्धारित परिसंपत्तियों एवं देनदारियों का शपथपत्र दाखिल न करने के बावजूद उपलब्ध दस्तावेजी साक्ष्यों पर समुचित विचार नहीं किया और जल्दबाजी में भरण–पोषण की राशि तय कर दी। सुप्रीम कोर्ट के कल्याण डे चौधरी फैसले का हवाला देते हुए कोर्ट ने कहा कि 25 प्रतिशत का मानक केवल मार्गदर्शक है। पति की वास्तविक आय और बढ़ती महंगाई को देखते हुए 12 हजार रुपये प्रतिमाह की राशि पर्याप्त नहीं है। कोर्ट ने पत्नी की पुनरीक्षण याचिका स्वीकार करते हुए भरण–पोषण की राशि बढ़ाकर 20 हजार रुपये प्रतिमाह कर दी, जो मूल आवेदन की तिथि से देय होगी।

प्रश्न उत्तर विवाद पर आयोग की परीक्षा

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश अध्यापक पात्रता परीक्षा (टीईटी) के पेपर में कुछ सवालों व उत्तर कुंजी पर उठे सवाल के बाद उ. प्र. शिक्षा सेवा चयन आयोग एक्सपर्ट की राय लेगा। आयोग के अध्यक्ष प्रशांत कुमार ने कहा कि वेबसाइट पर आने वाली सभी शिकायतों को विशेषज्ञों के पास भेजा जाएगा। प्रशांत कुमार ने कहा कि रिपोर्ट आने के बाद आयोग परीक्षार्थियों के हित में निर्णय लेगा। यदि 150 प्रश्नों में 130 ही सही पाए जाते हैं, तो 130 को ही 150 मानकर अंक दिए जाएंगे। गलत सवालों के सभी अभ्यर्थियों को पूरे नंबर देने पर भी विचार किया जा सकता है। टीईटी की परीक्षा में कुल 17,70,714 परीक्षार्थी शामिल हुए थे। यह परीक्षा प्रदेश के 60 जिलों में 955 परीक्षा केंद्रों पर दो, तीन और चार जुलाई को संपन्न हुई थी। दो जुलाई को 6,84,617 अभ्यर्थी, तीन जुलाई को 7,51,321 परीक्षार्थी और चार जुलाई को 3,34,775 अभ्यर्थी शामिल हुए थे। ओएमआर शीट की स्कैनिंग का कार्य 20 जुलाई तक पूरा होने की उम्मीद है। प्रतियोगी छात्र प्रतिनिधिमंडल के शीतला प्रसाद ओझा का आरोप है कि दो जुलाई को हुई परीक्षा में बाल मनोविज्ञान में चार, हिंदी में तीन, संस्कृत में दो और सामाजिक अध्ययन में चार सवाल विवादित रहे हैं। उसी दिन द्वितीय पाली के 13 प्रश्न भी विवादित रहे हैं। उत्तर प्रदेश बीटीसी शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष अनिल यादव के अनुसार, आयोग की ओर से जारी उत्तर कुंजी में टीईटी में संस्कृत, गणित, हिंदी और सामाजिक विषय के करीब 15 प्रश्नों के उत्तर गलत हैं।

एक जवान के हवाले 1917 वाहन, कैसे न लगे जाम?

प्रयागराज। शहर में वाहनों का रेला लगातार बढ़ रहा है। इसके उलट यातायात पुलिसकर्मियों की संख्या घट रही है। यही कमी शहर की यातायात व्यवस्था पर खासा असर डाल रही है। आंकड़े बताते हैं कि ट्रैफिक पुलिस के 1328 स्वीकृत पदों में से 759 खाली हैं। 584 कर्मियों के भरोसे ही शहर की यातायात व्यवस्था है। इनमें से भी हर रोज औसतन 100 पुलिसकर्मी किसी न किसी कारण से छुट्टी पर रहते हैं। यातायात व्यवस्था को सुचारु रखने के लिए 759 जवानों की जरूरत बताई गई है। इसके लिए कई बार शासन को प्रस्ताव भेजा जा चुका है। पुलिस कर्मियों की कमी की वजह से अभी तक ऐसा कोई स्थायी प्लान नहीं बन पाया है जिससे शहर की यातायात व्यवस्था दुरुस्त हो सके। शहर के मेडिकल चौराहा, मेयोहाल, हिंदू हॉस्टल, हनुमान मंदिर चौराहा, हीवेट रोड, जानसेनगंज, बांगड़ चौराहा, सोहबतियाबाग, बालसन और तेलियरगंज समेत कई प्रमुख इलाकों में आए दिन जाम की स्थिति बनी रहती है। यातायात प्रभारी मनोज सिंह का कहना है कि प्रमुख चौराहों पर पुलिसकर्मियों की तैनाती बढ़ाने और यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए लगातार काम किया जा रहा है। यातायात पुलिस के कई कर्मियों की ड्यूटी वीआईपी कार्यक्रमों और अन्य व्यवस्थाओं में लगाई जाती है। इससे कई बार प्रमुख चौराहों पर पर्याप्त संख्या में पुलिसकर्मियों की तैनाती नहीं हो पाती। शहर में 36 प्रमुख चौराहे हैं, जहां यातायात पुलिस की मौजूदगी जरूरी है। जिले में करीब 11.20 लाख वाहन पंजीकृत हैं। यानी लगभग 1917 वाहनों पर एक जवान है। इतने बड़े वाहन दबाव के मुकाबले सीमित यातायात बल होने से जाम नियंत्रित करना चुनौती बन गया है। हाल ही में यातायात व्यवस्था को मजबूत करने के लिए 220 पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई थी। इनमें से करीब 100 कर्मियों ने ही कार्यभार संभाला है। तैनाती से पहले उम्मीद थी कि जाम वाले इलाकों में व्यवस्था बेहतर होगी लेकिन स्थिति में जस की तस बनी हुई है। यातायात पुलिस में स्वीकृत 1328 पदों के मुकाबले 759 पद खाली हैं। इसमें ट्रैफिक इंस्पेक्टर (टीआई) के सभी छह पद भरे हैं। ट्रैफिक सब इंस्पेक्टर के 122 पदों में 58 रिक्त हैं। हेड कांस्टेबल के 108 पदों में 15 अतिरिक्त की तैनाती है। कांस्टेबल के 432 पदों में 309 और होमगार्ड के 600 पदों में 389 पद खाली हैं।

17 घंटे अंधेरे में डूबे 100 गांव, बिजली-पानी के लिए तरसे लोग, धान की रोपाई भी ठप, दिनभर परेशान रहे

प्रयागराज। प्रयागराज के फूलपुर में 17 घंटे 100 गांव अंधेरे में डूबे रहे। उपभोक्ता बिजली–पानी के लिए तरस गए। 33 केवी लाइन में फॉल्ट के बाद दिनभर लोग परेशान रहे। धान की रोपाई भी ठप हो गई।

प्रयागराज के फूलपुर में 33/11 केवी उपकेंद्र बरेस्ता–प्रतापपुर से जुड़े करीब 100 गांवों के लोगों के लिए सोमवार का दिन बेहद मुश्किलों भरा रहा। उमस भरी गर्मी और सूखे खेतों के बीच किसानों का पूरा दिन बिजली के इंतजार में ही बीता।

सोमवार तड़के करीब चार बजे 220 केवी उपकेंद्र महावीरन से आने वाली 33 हजार वोल्ट की लाइन में ढोकरी गांव के सामने कंडक्टर वायर के टूटकर गिरने से बसना, सोरों, प्रतापपुर और बरेस्ता फीडर की बिजली आपूर्ति पूरी तरह ठप हो गई। इसका असर करीब 9500 उपभोक्ताओं पर पड़ा, जिन्हें करीब 17 घंटे तक बिजली और पानी संकट का सामना करना पड़ा।

दिन चढ़ने के साथ उमस बढ़ती गई और लोगों के घरों में लगे इन्वर्टर भी जवाब दे गए। बिजली न आने से पानी की मोटर बंद हो गई, जिससे लोगों को पीने के पानी तक के लिए परेशान होना पड़ा। ग्रामीणों का कहना है कि भोर में फॉल्ट होने के बावजूद शटडाउन देर से लिया गया, जिससे मरम्मत कार्य भी विलंब से शुरू हो सका। लोगों का आरोप है कि यदि समय रहते कार्यवाही होती तो बिजली कटौती से बचा जा सकता था।

सबसे अधिक परेशानी किसानों को उठानी पड़ी। बारिश नहीं होने से पहले ही खेत सूखे पड़े हैं। सोमवार सुबह किसान धान की नर्सरी से बेहन उखाड़कर खेतों तक ले गए थे। उन्हें उम्मीद थी कि बिजली आते ही सिंचाई कर रोपाई शुरू कर देंगे, लेकिन दिनभर बिजली का इंतजार ही करते रह गए। शाम तक भी आपूर्ति सामान्य नहीं हो सकी, जिससे धान की रोपाई का काम ठप रहा। किसानों का कहना है कि एक–एक दिन की देरी से फसल प्रभावित हो रही है और लागत लगातार बढ़ती जा रही है।

ग्रामीणों का यह भी कहना है कि लंबे समय तक बिजली न रहने से छोटे कारोबार, दुकानों और घरेलू कामकाज पर भी असर पड़ा। गर्मी और उमस के बीच बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं को सबसे अधिक कठिनाई झेलनी पड़ी।

33 केवी लाइन में आई खराबी को दूर किया गया। दोपहर बाद आपूर्ति चालू करने का प्रयास किया गया, तो उपकेंद्र की केबल फुंक गया। उसे दुरुस्त करने के बाद शाम करीब सात बजे उपकेंद्र की सीटी में खराबी आ गई। बाईपास व्यवस्था के जरिए जल्द से जल्द आपूर्ति बहाल करने का प्रयास किया गया।– अविनाश कुमार, अवर अभियंता, बिजली उपकेंद्र बरेस्ता–प्रतापपुर।

ससुराल जाने से एक दिन पहले विवाहिता ने दी जान, 28 पन्नों के नोट में छलका दर्द

प्रयागराज। कौशांबी में ससुराल जाने से एक दिन पहले नवविवाहिता ने खुदकुशी कर ली। विवाहिता का 28 पन्नों के सुसाइड नोट में दर्द छलक पड़ा। ससुराल पक्ष पर प्रताड़ना के आरोप लगे हैं। अलग–अलग कलम से लिखे गए नोट की हैंडराइटिंग जांच होगी। मोबाइल भी पुलिस ने कब्जे में लिया है।

कौशांबी के भरवारी कस्बे में नवविवाहिता शेफाली केसरवानी की मौत के मामले में घटनास्थल से मिले 28 पन्नों के सुसाइड नोट ने जांच को नया मोड़ दे दिया है। सूत्रों के मुताबिक, सुसाइड नोट में ससुराल पक्ष पर प्रताड़ना के आरोप लिखे होने की बात सामने आई है। हालांकि पुलिस हैंडराइटिंग और नोट की सत्यता की वैज्ञानिक जांच कराने की तैयारी में है।

कोखराज थाना क्षेत्र के वार्ड नंबर–20 निवासी 27 वर्षीय शेफाली केसरवानी की आत्महत्या के मामले में पुलिस को घटनास्थल से 28 पन्नों का सुसाइड नोट और मोबाइल फोन मिला है। पुलिस ने दोनों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार नोट में पति और अन्य ससुरालियों पर प्रताड़ित करने के आरोप लगाए गए हैं।

शेफाली का विवाह सात मई को प्रयागराज के फाफामऊ निवासी गोपाल केसरवानी के साथ हुआ था। मायके पक्ष का आरोप है कि शादी के बाद से ही उसे ससुराल में परेशान किया जाता था, जिसके कारण वह मायके में रह रही थी।

सोमवार को उसकी विदाई की तैयारियां हो रही थीं। सुबह करीब 7रू30 बजे घरेलू सहायिका ने उसके कमरे का दरवाजा खटखटाया। कोई जवाब न मिलने पर उसने भाई को बताया, जिसने झांक कर देखा तो बहन के शव को फंदे से लटका पाया। सूचना पर कोखराज पुलिस और फील्ड यूनिट मौके पर पहुंची।

मृतका के भाई विकास केसरवानी ने बताया कि शादी में दान–दहेज देने के बावजूद बहन को प्रताड़ना झेलनी पड़ी और वह दोबारा ससुराल नहीं गई। उन्होंने बताया कि घटना से एक रात पहले उसकी बहनोई से मोबाइल पर बातचीत भी हुई थी।

अलग–अलग कलम से लिखा गया खुदकुशी का पत्र प्रथम दृष्टया नोट अलग–अलग कलमों से लिखा हुआ प्रतीत हो रहा है। इसलिए उसकी हैंडराइटिंग का मिलान विशेषज्ञों से कराया जाएगा। फिलहाल सीओ सिराथू सतेंद्र तिवारी ने बताया कि घटनास्थल से मिले 28 पन्नों के सुसाइड नोट की गहन जांच कराई जाएगी। प्रथम दृष्टया नोट अलग–अलग कलम से लिखा प्रतीत हो रहा है। इसलिए विशेषज्ञों से उसकी हैंडराइटिंग का मिलान कराया जाएगा। वैज्ञानिक जांच और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने जांच के लिए मृतका का फोन भी कब्जे में लिया है।

सीओ सिराथू सतेंद्र तिवारी ने बताया कि घटनास्थल से मिले 28 पन्नों के नोट की गहन जांच कराई जाएगी। परिजनों की ओर से ससुराल पक्ष के खिलाफ कोई तहरीर नहीं दी गई है। वैज्ञानिक जांच और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

ससुराल वालों पर लगाया प्रताड़ना का आरोप

नवविवाहिता ने मायके में फंदे से झूलकर खुदकुशी की है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है, जिसकी रिपोर्ट और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। अभी तक परिजनों की ओर से कोई तहरीर नहीं मिली है।–सतेंद्र तिवारी, सीओ सिराथू

एमसीए, फूड टेक्नोलॉजी समेत कई पाठ्यक्रमों की कटऑफ सूची जारी

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक सत्र 2026–27 के स्नातकोत्तर (पीजी) पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए कई विभागों की दूसरी कटऑफ सूची जारी कर दी है। इसके साथ ही एंथ्रोपोलॉजी और बॉटनी विभाग की पहली मेरिट सूची भी घोषित की गई है। विश्वविद्यालय की ओर से जारी सूचनाओं के अनुसार चयनित अभ्यर्थी मंगलवार से ऑनलाइन पंजीकरण, दस्तावेज अपलोड, सत्यापन और शुल्क जमा कर प्रवेश प्रक्रिया पूरी कर सकेंगे। अधिकांश विभागों में ऑनलाइन पंजीकरण व दस्तावेज अपलोड की अंतिम तिथि 16 जुलाई दोपहर दो बजे और दस्तावेज सत्यापन व शुल्क जमा करने की शाम पांच बजे निर्धारित की गई है।

राजनीति विज्ञान में अनारक्षित वर्ग के लिए कटऑफ 178, ओबीसी व ईडब्ल्यूएस के लिए 164, एससी के लिए 144 और एसटी के लिए 98 अंक तय किए गए हैं। गणित में अनारक्षित वर्ग की कटऑफ 144, ईडब्ल्यूएस 130, ओबीसी 129 और एससी 94 अंक रही है। समाजशास्त्र में अनारक्षित वर्ग में 156, ओबीसी 136, ईडब्ल्यूएस 128, एससी 112 और एसटी 92 अंक पर प्रवेश मिलेगा। संस्कृत विभाग में अनारक्षित वर्ग में 138, ईडब्ल्यूएस 134, ओबीसी 110 और एससी 18 अंक निर्धारित किए गए हैं, जबकि मध्यकालीन व आधुनिक इतिहास में अनारक्षित वर्ग में 170 और एसटी में 38 अंक तक के अभ्यर्थियों को मौका मिलेगा।

संगीत व परफॉर्मिंग आर्ट्स विभाग में सितार के लिए अनारक्षित वर्ग में 173, तबला में अनारक्षित वर्ग में 140, एससी 138 व वोकल में 150, ईडब्ल्यूएस में 134.4, ओबीसी में 118 और एससी में 15 अंक की दूसरी कटऑफ जारी की गई है। सेंटर फॉर थिएटर एंड फिल्म के एमए पाठ्यक्रम में अनारक्षित वर्ग में 137 और ओबीसी में 103 अंक तक के अभ्यर्थियों को प्रवेश मिलेगा। इंस्टीट्यूट ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज (आईपीएस) के एमसीए पाठ्यक्रम में अनारक्षित वर्ग में 170, ईडब्ल्यूएस में 152 और ओबीसी में 150 अंक की कटऑफ घोषित की गई है, जबकि एससी व एसटी वर्ग के सभी अभ्यर्थी पात्र है। एमएससी फूड टेक्नोलॉजी में अनारक्षित वर्ग में 150, ईडब्ल्यूएस में 96 और ओबीसी में 114 अंक तक के अभ्यर्थियों को प्रवेश और एससी व एसटी वर्ग के सभी अभ्यर्थियों को पात्र घोषित किया गया है। वहीं बॉटनी विभाग के एमएससी एग्रीकल्चरल माइक्रोबायोलॉजी में दूसरी कटऑफ के तहत अनारक्षित वर्ग में 170, ईडब्ल्यूएस में 169.10, ओबीसी में 133.20, एससी में 136.80 और एसटी में 136 अंक निर्धारित किए गए हैं।

इसके अलावा एमएससी बॉटनी की पहली कटऑफ में सामान्य वर्ग में 162, ईडब्ल्यूएस में 148, ओबीसी में 142, एससी में 138 और एसटी में 85 अंक तय किए गए हैं। एंथ्रोपोलॉजी विभाग की पहली कट–ऑफ में अनारक्षित वर्ग में 128 और ओबीसी में 46 अंक निर्धारित किए गए हैं, जबकि ईडब्ल्यूएस, एससी और एसटी वर्ग के सभी अभ्यर्थियों को प्रवेश के लिए पात्र रहेंगे।

अलग रहने पर भी खत्म नहीं हो सकते पत्नी के कानूनी अधिकार: हाईकोर्ट

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि केवल लंबे समय से पति से अलग रहने के आधार पर पत्नी के कानूनी अधिकार समाप्त नहीं हो जाते। कोर्ट ने कहा, यदि पति–पत्नी कभी साझा गृहस्थी (शेयर्ड हाउसहोल्ड) में साथ रहे हैं तो पत्नी घरेलू हिंसा अधिनियम के तहत राहत मांग सकती है। 11 साल बाद दायर आवेदन केवल देरी के आधार पर खारिज नहीं किया जा सकता।

इस टिप्पणी के साथ हाईकोर्ट ने गाजियाबाद की अपीलीय अदालत के उस आदेश को बरकरार रखा। जिसमें पति को पत्नी के रहने के लिए ससुराल में समुचित व्यवस्था करने और ऐसा संभव न होने पर उसी स्तर का वैकल्पिक आवास उपलब्ध कराने के निर्देश दिए थे। यह आदेश न्यायमूर्ति अचल सचदेव की अदालत ने गाजियाबाद निवासी पति की याचिका पर दिया।

पति का आरोप था कि पत्नी 30 अक्तूबर 2000 से अपनी इच्छा से मायके में रह रही है। उसने 18 नवंबर 2011 को घरेलू हिंसा अधिनियम की धारा–12 के तहत आवेदन दाखिल किया, जो 11 साल की देरी से किया गया। वहीं, पत्नी की ओर से अधिवक्ता ने दलील दी कि विवाह के बाद अतिरिक्त दहेज की मांग को लेकर उसे लगातार प्रताड़ित किया गया। 2000 में ससुराल से निकाल दिया गया। इसके बाद उसने दहेज उत्पीड़न का मुकदमा दर्ज कराया। पति ने न तो उसे अपने साथ रखा और न ही उसके रहने की स्थायी व्यवस्था की। कोर्ट ने सर्वोच्च न्यायालय के कई निर्णयों का उल्लेख करते हुए कहा कि घरेलू हिंसा अधिनियम के तहत आवेदन बनाए रखने के लिए यह आवश्यक नहीं है कि आवेदन दाखिल करने की तिथि पर भी पति–पत्नी साथ रह रहे हों। यदि वे किसी समय साझा गृहस्थी में साथ रह चुके हैं तो घरेलू संबंध माना जाएगा और पीड़ित महिला अधिनियम के तहत संरक्षण, निवास और अन्य वैधानिक राहत पाने की हकदार होगी। कोर्ट ने कहा कि अपीलीय अदालत के आदेश में हस्तक्षेप का कोई औचित्य नहीं है। कोर्ट ने पति की पुनरीक्षण याचिका खारिज कर दी।

रेलवे कर्मचारियों के जोखिम और दिक्कतों का खुलेगा कच्चा चिट्ठा

प्रयागराज। रेल कर्मचारियों के ड्यूटी के दौरान जोखिम और कठिन परिस्थितियों का वास्तविक आकलन किया जाएगा। आठवें केंद्रीय वेतन आयोग ने रेलवे बोर्ड से सभी संवर्ग के कर्मचारियों के कार्यबल और उनके साथ होने वाले हादसों का पूरा विवरण मांगा है। रेलवे बोर्ड के वेतन आयोग के प्रधान कार्यकारी निदेशक सुंदीप पाल की ओर से जारी निर्देश में स्पष्ट किया गया है कि जोखिम और कठिनाइयों के आकलन के आधार पर भत्तों और सुविधाओं को लेकर उचित सिफारिशें तैयार की जाएंगी। इसके लिए रेलवे ने कैलेंडर वर्ष 2024 और 2025 के दौरान ऑन–रोल कर्मचारियों की कुल संख्या, कर्तव्यों के दौरान हुई मृत्यु और गंभीर रूप से घायल हुए रेलकर्मियों की संख्या का विवरण एक निर्धारित प्रोफार्मा में मांगा है। डाटा संकलन की प्रक्रिया को तेज और त्रुटिहीन बनाने के लिए एक विशेष फॉर्म भी तैयार किया गया है। सभी जोनल रेल महाप्रबंधकों को आगामी 17 जुलाई 2026 तक हर हाल में इस डाटा को ऑनलाइन फीड करने और उसके बाद अनुमोदित हार्ड कॉपी भेजने को कहा गया है।

एआई से आएगा मूंज के उत्पादों में निखार, कौशल विकास मिशन देगा नई पहचान

प्रयागराज। एक जनपद एक उत्पाद (ओडीओपी) योजना के तहत जिले के मूंज शिल्पकारों को उन्नत डिजाइन और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। कौशल विकास मिशन ने पहले चरण में 100 शिल्पकारों का चयन किया है। 90 दिवसीय प्रशिक्षण मूंज उत्पादों को वैश्विक बाजार में पहचान दिलाने में मदद करेगा। जिले में तीन हजार से अधिक महिलाएं स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से मूंज के उत्पाद बनाती हैं। इन उत्पादों को बाजार के अनुकूल बनाने के लिए यह प्रशिक्षण महत्वपूर्ण है। कौशल विकास जिला प्रबंधक अभिषेक शुक्ला ने बताया कि ओडीओपी से जुड़े मूंज उत्पाद बनाने वाले हस्त शिल्पकारों के लिए 90 दिन की ट्रेनिंग शुरू की गई है।

मूंज के उत्पादों की धार्मिक और पर्यावरणीय अनुकूलता के कारण बाजार में मांग बढ़ रही है। कौशल विकास मिशन की सहयोगी त्रिवेणी सोशल फाउंडेशन यह डिजाइन प्रशिक्षण दे रही है। फाउंडेशन के अध्यक्ष अमित सिंह ने बताया कि पहले चरण में 100 शिल्पकारों को प्रशिक्षित किया जाएगा, जिसमें अभी 50 का चयन हो चुका है। महेवा पूरब पट्टी की मानसी भारती ने कहा कि यह विस्तृत ट्रेनिंग उन्नत डिजाइन कौशल प्रदान करेगी।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता का समावेश महेवा की मूंज शिल्पकार नसीमा ने बताया कि ई–कॉमर्स कंपनियों से मिलने वाले ऑर्डर में अनुकूलित उत्पादों की मांग अधिक है। अमित सिंह ने कहा कि इस प्रशिक्षण मॉड्यूल में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) से लेकर सभी आधुनिक उपकरण शामिल हैं। इन्हें ट्रेनिंग के अंतिम हफ्तों में सिखाया जाएगा। यह पहल मूंज उत्पादों को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाएगी और शिल्पकारों की कल्पना को नए पंख देगी।

सावन में शुभ संयोगों की बहार, तीसरे सोमवार को है नागपंचमी

प्रयागराज। देवों के देव महादेव की आराधना का पावन श्रावण मास 30 जुलाई से 28 अगस्त तक रहेगा। सावन के चारों सोमवार पर संगमनगरी के प्रमुख शिवालयों में विशेष पूजा–अर्चना, रुद्राभिषेक, आकर्षक शृंगार और धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन होगा। इसके लिए मंदिरों में तैयारियां शुरू हो गई हैं। मनकामेश्वर मंदिर के महंत श्रीधरानंद सरस्वती के अनुसार सावन के चारों सोमवार को भगवान मनकामेश्वर का भांग, विविध पुष्पों और चांदी के आभूषणों से विशेष शृंगार किया जाएगा। प्रतिदिन नित्य अभिषेक, रुद्राभिषेक, पूजन, धार्मिक अनुष्ठान और महामृत्युंजय मंत्र का जाप होगा।

वही, ललिता देवी मंदिर के पुजारी शिव मूरत मिश्र ने बताया कि भक्तों के लिए मंदिर परिसर में धार्मिक अनुष्ठानों की भी व्यवस्था रहेगी। इसके अलावा दारागंज स्थित नागवासुकी मंदिर, दरियाबाद के तक्षक तीर्थ बड़ा शिवाला, पांडिला महादेव मंदिर समेत शहर के अन्य प्रमुख शिवालयों में भी विशेष धार्मिक आयोजन होंगे। इस वर्ष सावन का पहला सोमवार तीन अगस्त, दूसरा सोमप्रदोष के साथ 10 अगस्त, तीसरा सोमवार 17 अगस्त को नागपंचमी के साथ पड़ रहा है और चौथा सोमवार 24 अगस्त को है। वहीं, 28 अगस्त को श्रावण पूर्णिमा और रक्षाबंधन के साथ सावन का समापन होगा।

इस बार सावन में पूजा–पाठ, जप, तप और दान–पुण्य के लिए कई दुर्लभ शुभ योग बन रहे हैं। सावन के दौरान श्रद्धालु सोमवार व्रत, हरियाली तीज (15 अगस्त), नाग पंचमी, पुत्रदा एकादशी (23 अगस्त), रक्षा बंधन और सावन पूर्णिमा जैसे प्रमुख पर्व श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाएंगे।

बूथ सम्मेलन में तय होगी 2027 की जंग की रणनीति

एसआईआर का होगा बड़ा रोल,बदल सकते हैं समीकरण

19 से 22 जुलाई तक होंगे बूथ सम्मेलन

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश की राजनीति में चुनाव की घंटी बजने से अभी देर भले है लेकिन सियासी दल चुनावी मोड में आ गए हैं। पहले ही जमीन पर हलचल शुरू हो चुकी है।भाजपा की चाल की असली परीक्षा चुनावी मैदान में होगी। इस बार लड़ाई सिर्फ भाषणों, रैलियों और नारों की नहीं होगी बल्कि उस बूथ की होगी जहां एक–एक वोट सत्ता का रास्ता तय करेगा। हर पार्टी जानती है कि लखनऊ की कुर्सी का रास्ता गांव, मोहल्ले और गली के छोटे–छोटे बूथों से होकर गुजरता है।बीजेपी बूथ मैनेजमेंट एक्टिव कर दिया है। बूथ सिर्फ मतदान केंद्र नहीं होता बल्कि चुनावी गणित का सबसे छोटा लेकिन सबसे ताकतवर केंद्र होता है। भाजपा माइक्रो मैनेजमेंट मॉडल को 2027 के लिए और धार देने में जुट गई है।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जिलों का दौरा कर विकास परियोजनाओं और सरकारी योजनाओं के जरिए जनता से सीधा संवाद की कोशिश कर रहे हैं, संगठन ने जमीन पर अपनी अलग रणनीति शुरू कर दी है। पार्टी वोट मांगने से पहले मतदाता तक पहुंच बनाने में लगी है। वोटर लिस्ट के विशेष गहन पुनरीक्षण यानि एसआईआर के बाद बदले हुए मतदाता आंकड़ों ने राजनीतिक दलों को नई रणनीति बनाने के लिए मजबूर कर दिया है। बीजेपी एसआईआर के बाद हर विधानसभा क्षेत्र की नई तस्वीर को गंभीरता से देख रही है।जहां नए मतदाताओं की संख्या बढ़ी है, वहां संगठन की नई संरचना तैयार की जाएगी। बीजेपी का मानना है कि मजबूत बूथ कमेटी ही चुनावी जीत की पहली सीढ़ी है। भाजपा ने प्रदेश की सभी विधानसभा सीटों पर 19 से 22 जुलाई के बीच बूथ सम्मेलन आयोजित करने की तैयारी की

है। इन सम्मेलनों में बूथ अध्यक्षों, पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को चुनावी रणनीति समझाई जाएगी।बूथ मैपिंग के जरिए यह पता लगाया जाएगा कि कौन से इलाके पार्टी के लिए चुनौती वाले हैं और कहां संगठन को और सक्रिय करने की जरूरत है। जिन क्षेत्रों में बूथों की संख्या 80 से अधिक हो जाएगी, वहां नए मंडलों के गठन की रणनीति तैयार की जा रही है। इसका मकसद संगठन को छोटा, तेज और ज्यादा प्रभावी बनाना है।चुनावी राजनीति में बड़ी लड़ाई अक्सर छोटे संगठनात्मक फैसलों से जीती जाती है। छोटे स्तर की तैयारी को अपनी बड़ी ताकत बनाना चाहती है। पार्टी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ष्मन की बातष कार्यक्रम को भी बूथ स्तर तक ज्यादा प्रभावी तरीके से पहुंचाने की योजना बना रही है।राजनीति में जनता की याद चुनाव के समय नही हमेशा रखनी होती है। प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने पुराने कार्यकर्ताओं, पूर्व पदाधिकारियों और जनप्रतिनिधियों से संपर्क अभियान तेज करने पर जोर दिया है।भाजपा उत्तर प्रदेश में लगातार तीसरी बार सरकार बनाने के लक्ष्य के साथ मैदान तैयार कर रही है। 2027 का चुनाव बड़ा आसान नहीं है। जनता का मूड बदलने में देर कहां लगती है है। बेरोजगारी, महंगाई, स्थानीय मुद्दे और क्षेत्रीय समीकरण चुनावी हवा को कभी भी बदल सकते हैं।ये जो पब्लिक है, वो सब जानती है। लोकतंत्र में आखिरी फैसला जनता करती है। भाजपा की बूथ मशीनरी 2027 में वोटों की सुनामी बनती है या कोई नया समीकरण जन्म लेता है,यह तो अभी कोई नहीं कह सकता।

मिट्टी का हर रूप

(कुण्डलिया)

सौ प्रतिशत है सत्य नहीं इसको झुठलाना।
अपने में हो मस्त न गाओ अपना गाना।
सुनी प्रकृति की बात हुई गुम सिट्टी–पिट्टी।
मिट्टी को मत छेड़ बना देगी यह मिट्टी।
कुछ पल घबराया मगर मानव फिर निर्भीक हो
क्षति पहुँचाने है लगा यंत्रों के नजदीक हो।।

मिट्टी का हर रूप ईश की बातें करती।
हरियाली के साथ नीर को लेकर चलती।
मंदिर से शमशान सभी कुछ इसके अंदर।
करते इसे प्रणाम सूर्य और चंदा अंबर।
एक तरफ ज्वालामुखी खनिज लवण की खान है।
दूजे सरिता बह रही जीवन की मुस्कान है।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

नोएडा इकाई की काव्य गोष्ठी संपन्न

नोएडा। शहर समता महिला काव्यगोष्ठी नोयडा इकाई की काव्य गोष्ठी डॉ अरुण त्रिवेदी 'अनुपम' की अध्यक्षता में सफलता पूर्वक सम्पन्न हुई। मुख्य अतिथि–डॉ शिवानी चन्द्राजी (USA) विशिष्ट अतिथि–मल्लिका दे (मेघालय) रहीं।

इस आयोजन का संयोजन अवन्तिका विशाल जी ने किया तथा संचालन –प्रवीणा त्रिवेदी 'प्रज्ञा' ने किया। इस काव्य गोष्ठी में सभी प्रतिभागियों ने अपनी–अपनी रचनाओं की बहुत ही सुंदर प्रस्तुतियाँ देकर नोयडा इकाई की गोष्ठी में चार चाँद लगा दिए।

69000 शिक्षक भर्ती, सरकार पर वादाखिलाफी का आरोप लगा

आरक्षित वर्ग ने खोला मोर्चा, जमकर नारेबाजी

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश 69000 शिक्षक भर्ती मामले को लेकर आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों ने निशातगंज स्थित बेसिक शिक्षा निदेशालय के सामने अपनी मांग को लेकर धरने पर बैठ है। मंगलवार को बड़ी संख्या में अभ्यर्थी पहुंचे और गेट के बाहर नारेबाजी करते हुए धरने पर बैठ गए। अभ्यर्थियों का कहना है कि सरकार सुप्रीम कोर्ट में कही बातों के मुताबिक काम नहीं कर रही है इसीलिए वह सभी धरने पर बैठे हैं। अभ्यर्थियों ने सवाल करते हुए कहा कि सरकार के द्वारा सुप्रीम कोर्ट से मांगा गया 6 सप्ताह का समय पूरा बीत चुका है लेकिन अभी तक लिस्ट रीकृविजिट नहीं हुई। 19 मई 2026 को सुप्रीम कोर्ट में हुई सुनवाई के दौरान सरकार के अधिवक्ता ने 13 अगस्त 2024 हाईकोर्ट के आदेश के अनुसार लिस्ट रीकृविजिट करने के लिए 6 सप्ताह का समय मांगा था इसी को लेकर अभ्यर्थियों ने सरकार से सवाल किया हैं। 69000 शिक्षक भर्ती मामले की अगली सुनवाई सुप्रीम कोर्ट में 21 जुलाई को होनी है अभ्यर्थी किसी भी तरह की हीला हवाली नहीं चाहते। विक्रम और अमित मौर्य ने बताया की उत्तर प्रदेश बेसिक शिक्षा विभाग की 69000 शिक्षक भर्ती में आरक्षण नियमों की अनदेखी के कारण आरक्षित वर्ग के हजारों अभ्यर्थी चयन प्रक्रिया से बाहर हो गए। पिछले लगभग 6 वर्षों से आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थी लगातार आरक्षण नियमों के पालन की मांग करते हुए चले आ रहें है। लंबे आंदोलन और न्यायिक प्रक्रिया से गुजरने के बाद 13 अगस्त 2024 को लखनऊ हाई कोर्ट के डबल बेंच ने फैसला सुनाया और नियमों का पालन करते हुए अभ्यर्थियों को नियुक्ति दिए जाने का आदेश दिया था लेकिन हम आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों को न्याय नहीं मिला। पिछली सुनवाई के दौरान सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से समय मांगा था सुप्रीम कोर्ट ने जो समय दिया था वह पूरा हो चुका है लेकिन सरकार द्वारा अभी तक लिस्ट रीकृविजिट नहीं की गयी है इससे अभ्यर्थी नाराज हैं। धनंजय गुप्ता ने कहा कि सरकार दलित पिछड़े समाज के पीड़ित छात्रों को न्याय देने में हीला हवाली कर रही है जिसके चलते हम सबको यहां आकर धरना करना पड़ रहा है।

20 जुलाई को आम आदमी पार्टी का प्रदेशव्यापी प्रदर्शन

सोनम वांगचुक के समर्थन में सड़क पर उतरेगी आप : संजय सिंह

लखनऊ (संवाददाता)। आम आदमी पार्टी के उत्तर प्रदेश प्रभारी और राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने लद्दाख के सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक के समर्थन में 20 जुलाई को उत्तर प्रदेश के सभी जिलों में प्रदर्शन करने का ऐलान किया है। लखनऊ में आयोजित प्रेसवार्ता में उन्होंने कहा कि पार्टी प्रदेशभर में आंदोलन कर सोनम वांगचुक के मुद्दों और युवाओं की समस्याओं को जनता तक पहुंचाएगी। इस दौरान उन्होंने केंद्र सरकार पर युवाओं के मुद्दों की अनदेखी करने का आरोप लगाया। संजय सिंह ने कहा कि सोनम वांगचुक पिछले 17 दिनों से जंतर–मंतर पर अनशन कर रहे हैं। उनके मुताबिक यह संघर्ष केवल लद्दाख के अधिकारों तक सीमित नहीं है, बल्कि देश के युवाओं के भविष्य से भी जुड़ा हुआ है। उन्होंने दावा किया कि पेपर लीक, नीट परीक्षा में कथित अनियमितताओं और अग्निवीर योजना

जैसे मुद्दों ने युवाओं को प्रभावित किया है और वांगचुक इन्हीं मुद्दों को लेकर आवाज उठा रहे हैं। प्रेसवार्ता में संजय सिंह ने केंद्र सरकार और मुख्यधारा के मीडिया की भूमिका पर भी सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि सोनम वांगचुक के अनशन को पर्याप्त महत्व नहीं दिया जा रहा है। उनका कहना था कि लोकतंत्र में ऐसे मुद्दों पर व्यापक चर्चा होनी चाहिए और सरकार को संवाद के जरिए समाधान निकालना चाहिए। राज्यसभा सांसद ने अपने संबोधन में पर्यावरणविद् प्रोफेसर जी.डी. अग्रवाल के लंबे अनशन का उल्लेख करते हुए कहा कि सरकार को शांतिपूर्ण आंदोलनों के प्रति संवेदनशील होना चाहिए। उन्होंने भाजपा के जनप्रतिनिधियों से भी इस मामले में अपनी राय रखने और सरकार तक लोगों की भावनाएं पहुंचाने की अपील की। संजय सिंह ने दावा किया कि सोनम वांगचुक के आंदोलन को विभिन्न विपक्षी दलों के नेताओं का समर्थन मिल रहा है। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनहित के मुद्दों पर राजनीतिक दलों का एकजुट होकर आवाज उठाना जरूरी है। आम आदमी पार्टी ने घोषणा की कि 20 जुलाई को उत्तर प्रदेश के सभी जिलों में सोनम वांगचुक के समर्थन में प्रदर्शन किया जाएगा। पार्टी का कहना है कि इस आंदोलन के माध्यम से युवाओं से जुड़े मुद्दों और सोनम वांगचुक की मांगों को जन–जन तक पहुंचाया जाएगा।

बीजेपी के पूर्व पार्षद पर कार्रवाई, पार्क से हटाया गया अवैध कब्जा, नगर निगम का बड़ा एक्शन

लखनऊ (संवाददाता)। इंदिरानगर स्थित सर्वोदयनगर में लालबहादुर शास्त्री पार्क पर कथित अवैध कब्जे के खिलाफ नगर निगम ने मंगलवार को बड़ी कार्रवाई की। जोनल अधिकारी शिल्पा कुमारी के नेतृत्व में टीम ने पुलिस बल की मौजूदगी में पार्क में बने कब्जे को खाली कराया। कार्रवाई के दौरान विरोध भी देखने को मिला। बताया गया कि बीजेपी के पूर्व पार्षद मनोज अवस्थी द्वारा पार्क में बनाए गए कार्यालय को लेकर स्थानीय लोगों ने लगातार शिकायतें की थीं। आरोप था कि पार्षद का कार्यकाल समाप्त होने के बाद भी पार्क से कब्जा नहीं हटाया गया था। क्षेत्र के वर्तमान बीजेपी पार्षद भूपेंद्र कुमार शर्मा और स्थानीय नागरिकों ने नगर निगम अधिकारियों से शिकायत कर अवैध कब्जा हटाने की मांग की थी। शिकायतों के आधार पर नगर निगम ने कार्रवाई करते हुए पार्क को खाली करा दिया। अपर नगर आयुक्त अभिनव रंजन ने बताया कि अवैध कब्जा हटा दिया गया है और मौके से सामान भी खाली करा दिया गया है।

लखनऊ व्यापार मंडल का बिजली निगम के खिलाफ प्रदर्शन

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ परिक्षेत्र व्यापार मंडल ने मंगलवार को मध्यांचल विद्युत वितरण निगम के खिलाफ तालकटोरा स्थित एवरेडी के पास उपकेंद्र पर प्रदर्शन किया। व्यापारियों ने आरोप लगाया कि कई प्रतिष्ठानों के बिजली मीटर का लोड उपभोक्ताओं की अनुमति और उचित जांच के बिना बढ़ा दिया गया है। प्रदर्शन के बाद संगठन ने बिजली विभाग के अधिकारियों को ज्ञापन सौंपकर तत्काल कार्रवाई की मांग की। इस प्रदर्शन में लखनऊ परिक्षेत्र के सभी 22 व्यापार मंडलों के पदाधिकारी और प्रतिनिधि शामिल हुए। संगठन के अध्यक्ष ऋषभ गुप्ता ने कहा कि गलत तरीके से बढ़ाए गए बिजली लोड के कारण व्यापारियों और आम उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है। उन्होंने ऐसे मामलों की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की मांग की। व्यापार मंडल ने मांग की है कि शहर के सभी बाजारों में लगे बिजली मीटरों की दोबारा जांच कराई जाए। इसके आधार पर जरूरत के अनुसार लोड तय किया जाए। संगठन ने यह भी मांग की कि जिन उपभोक्ताओं का लोड गलत तरीके से बढ़ाया गया है, उसे तुरंत कम किया जाए और उनसे वसूली गई अतिरिक्त राशि वापस की जाए। साथ ही, सभी शिकायतों का जल्द निस्तारण किया जाए।

संगठन ने 1912 हेल्पलाइन की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए। व्यापारियों का कहना था कि शिकायत दर्ज होने के चार घंटे के भीतर समाधान का दावा किया जाता है, लेकिन कई मामलों में 24 से 48 घंटे तक कोई कार्रवाई नहीं होती। उन्होंने ऐसे अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। ज्ञापन में यह भी मांग की गई कि सभी उपकेंद्रों पर उपभोक्ताओं की शिकायतें मैन्युअल रूप से दर्ज करने की पुरानी व्यवस्था फिर से शुरू की जाए। व्यापार मंडल ने उत्तर प्रदेश पावर कॉर्पोरेशन से सवाल किया कि यदि डिजिटल प्रणाली से बिजली का लोड स्वतः बढ़ाया जा सकता है, तो बिजली की कम खपत होने पर लोड स्वतः कम क्यों नहीं किया जाता। संगठन ने इस संबंध में स्पष्ट नीति और दिशा–निर्देश सार्वजनिक करने की मांग की।

सीएम योगी से मिलीं महापौर सुषमा खर्कवाल, शहर के विकास कार्यो पर हुई अहम चर्चा

लखनऊ (संवाददाता)। नगर निगम लखनऊ की महापौर सुषमा खर्कवाल ने मंगलवार को 5, कालिदास मार्ग स्थित मुख्यमंत्री आवास पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से शिष्टाचार मुलाकात की। भेंट के दौरान महापौर ने मुख्यमंत्री को लखनऊ नगर निगम द्वारा शहर में संचालित विकास परियोजनाओं, जनसुविधाओं के विस्तार और नागरिकों को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए किए जा रहे विभिन्न कार्यों की जानकारी दी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शहर में नागरिक सुविधाओं को अधिक प्रभावी और सुदृढ़ बनाने के लिए आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों को जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए गुणवत्ता और समयबद्धता के साथ पूरा किया जाए, ताकि आम नागरिकों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें। महापौर सुषमा खर्कवाल ने मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि नगर निगम लखनऊ, उनके नेतृत्व और दिशा–निर्देशों में शहर के समग्र विकास तथा नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर कार्य करता रहेगा।

अनशन खत्म करें... सत्याग्रह का महत्व वो क्या जानें जो मंदिर लूट रहे, सोनम वांगचुक से अखिलेश की अपील, बिगड़ती सेहत पर चिंतित

लखनऊ (संवाददाता)। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मंगलवार को जलवायु कार्यकर्ता एवं शिक्षाविद सोनम

वांगचुक से दिल्ली के जंतर–मंतर पर जारी अपना अनिश्चितकालीन अनशन खत्म करने की अपील की। अखिलेश यादव की यह अपील जंतर–मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी (कॉजपा) के विरोध प्रदर्शन के 24वें दिन और सोनम वांगचुक की भूख हड़ताल के 17वें दिन आई है। अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, श्री सोनम वांगचुक जी से हमारा अति विनम्र आग्रह और सविनय अपील है कि वह अपना अनशन तोड़ दें। उनका जीवन समस्त विश्व के लिए अनमोल है, क्योंकि उसमें मानवता और पर्यावरण के लिए उतनी ही प्रतिबद्धता है जितनी लोकतंत्र के लिए। उन्होंने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि जिस सरकार को जगाने के लिए वांगचुक आमरण अनशन कर रहे हैं, उससे संवेदनशीलता की उम्मीद करना व्यर्थ है। सपा अध्यक्ष ने कहा कि सत्याग्रह का महत्व वही समझ सकते हैं जिनमें लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति आस्था हो। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि सोनम वांगचुक का मनोबल और नैतिकता देशवासियों, युवाओं, लोकतंत्र और पर्यावरण के संघर्ष के लिए प्रेरणा बनी रहे, यही सभी की कामना है। इस बीच, आयोजकों के अनुसार अनिश्चितकालीन अनशन के दौरान सोनम वांगचुक का वजन 8.2 किलोग्राम घट गया है और उनका रक्तचाप भी गिरकर 107/70 एमएमएचजी रह गया है। उनकी रक्तशर्करा का स्तर भी घटकर 67 मिलीग्राम प्रति डेसीलीटर हो गया है। कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने केंद्र सरकार से प्रदर्शनकारियों की मांगों पर ध्यान देने की अपील करते हुए कहा कि लोगों की जिंदगियां दांव पर लगी हैं।

बांदा की चकबंदी को लेकर लखनऊ में शिकायत, किसानों ने आयुक्त कार्यालय का घेराव किया

लखनऊ (संवाददाता)। बांदा में चल रही चकबंदी प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं को लेकर किसानों का विरोध अब लखनऊ तक पहुंच गया है। मंगलवार को किसानों ने लखनऊ स्थित चकबंदी आयुक्त कार्यालय का घेराव कर नारेबाजी की और अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन किया। इसके बाद जनता दल यूनाइटेड (जदयू) की प्रदेश उपाध्यक्ष शालिनी सिंह पटेल के नेतृत्व में चकबंदी आयुक्त को ज्ञापन सौंपकर पूरे मामले की निष्पक्ष जांच और दोषी अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि चकबंदी के दौरान नियमों की अनदेखी की गई, रिकॉर्ड में हेराफेरी की गई और भ्रष्टाचार के कारण किसानों का लगातार उत्पीड़न हो रहा है। उनका कहना है कि इन अनियमितताओं से किसानों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। ज्ञापन में कहा गया है कि बांदा के अमलीकोर समेत सिलेहटा, बहिंगा, खटीटाखुर्द और महबरा गांवों में चकबंदी के दौरान गंभीर अनियमितताएं हुई हैं। मंडलायुक्त और चकबंदी निदेशालय स्तर पर पहले से गठित जांच समितियों की जांच अब तक पूरी नहीं हुई है। ऐसे में पूरे मामले की जांच राजस्व परिषद की स्वतंत्र टीम से कराने की मांग की गई है। ज्ञापन के अनुसार ग्राम अमलीकोर में चक सीमांकन का करीब 40 प्रतिशत काम ही हुआ था।

यूपी बेड एण्ड ब्रेकफास्ट एवं होम स्टे नीति-2025 की एसओपी में संशोधन

हितधारको की सुविधा के लिए किया गया संशोधन-जयवीर

लखनऊ (संवाददाता)। यूपी बेड एण्ड ब्रेकफास्ट एवं होम स्टे नीति–2025 में हितधारकों को सुविधाएं देने तथा लोकप्रिय बनाने के लिए इसके कतिपय प्राविधानों में संशोधन किये गये हैं। बेड एण्ड ब्रेकफास्ट एवं होम स्टे नीति–2025 की एसओपी संशोधन के अनुसार होम स्टे प्रतिष्ठान में कम से कम 1 और अधिकतम 8 कमरे पंजीकृत कराये जा सकते हैं। 9 कमरों से अधिक भवन वाली इकाईयॉ इस नीति के अंतर्गत पंजीकरण के पात्र नहीं होगे। होम स्टे प्रतिष्ठान का मालिक अथवा उसका परिवार भवन में निवासरत होने चाहिए। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि बेड एण्ड ब्रेकफास्ट प्रतिष्ठान में कम से कम 1 और अधिकतम 8 कमरे पंजीकृत कराये जा सकते हैं। 16 बिस्तरों वाली डारमेट्री भी इस श्रेणी के अंतर्गत पात्र इकाई मानी जायेगी। 9 कमरों से अधिक भवनों वाली इकाईयां इस नीति के अंतर्गत पंजीकरण हेतु पात्र नहीं होगी। होम स्टे,ग्रामीण होम स्टे बेड एण्ड ब्रेकफास्ट पंजीकरण प्रमाण पत्र का स्वनवीनीकरण उत्तर प्रदेश पर्यटन पोर्टल ीजजचेरूध्ध नच–जवनतपेउचवतजंस.पद पर आवेदक द्वारा स्वयं किया जा सकेगा। आटोरिन्यूवल पंजीकरण समाप्ति की तिथि से तीन माह पूर्व पोर्टल पर कराया जा सकेगा। आवेदक द्वारा आटोरिन्यूवल समय से नहीं किया जाता है तो उसकी स्वीकृति जिला स्तरीय समिति के विवेक पर निर्भर करेगी। बशर्ते पर्याप्त और उचित कारण प्रस्तुत किया गया हो। आवेदक द्वारा पोर्टल पर आटोरिन्यूवल पंजीकरण समाप्ति की तिथि से तीन माह पूर्व किये जा सकेगे। उल्लेखनीय है कि बेड एण्ड ब्रेकफास्ट पालिसी एवं होम स्टे नीति–2025, 26 जून, 2025 द्वारा जारी एसओपी में व्यवस्था थी कि होम स्टे प्रतिष्ठान में कम से कम एक और अधिकतम 6 कमरे किराये पर देने की व्यवस्था थी। होम स्टे प्रतिष्ठान का मालिक परिवार सहित उसी भवन में निवास करने की व्यवस्था थी। प्रस्तावित संशोधन से पूर्व बेड एण्ड ब्रेकफास्ट प्रतिष्ठान संस्थान में कम से कम एक और अधिकतम 6 कमरे किराये पर देने योग्य होने की व्यवस्था थी। 12 बिस्तरों वाली डारमेट्री भी इस श्रेणी के अंतर्गत पात्र इकाई मानी जाती थी।

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना सं.: 5320262027 दिनांक: 09.07.2026

ई–निविदा सूचना

मण्डल रेल प्रबन्धक/इंजीनियरिंग/उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य के लिये, निर्धारित प्रपत्र पर निम्नलिखित ई-निविदा, दिनांक 05.08.2026 को 13:30 बजे तक आमंत्रित की जाती है। कार्य का विवरण निम्न प्रकार है:-

निविदा सं.: 118	कार्य का अनुमानित मूल्य (₹) : ₹ 3,91,00,450.55
कार्य का विवरण: सहायक मंडल अभियंता/फतेहपुर के अधीन सिरसौल (एसएसएल) रेलवे स्टेशन पर प्लेटफार्मों को उच्च स्तर तक उठाने तथा अन्य सम्बंधित कार्य।	
बयाने की रकम ₹ : ₹ 7,82,000.00	कार्य समापन की अवधि : 12 (बारह) माह
निविदा खुलने की तिथि : 05.08.2026	
"सिमिलर वर्क" के लिये न्यूनतम वांछनीय आधार: कोई भी सिविल इंजीनियरिंग का कार्य।	

नोट: 1.ई-निविदा प्रपत्र सभी निविदादाताओं को निःशुल्क निर्गत किये जायेंगे। 2. उपर्युक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण निविदा प्रपत्र सहित वेबसाइट www.ireps.gov.in. पर समय 13:30 बजे तक निविदा खुलने की निर्धारित तिथि 05.08.2026 तक उपलब्ध है। 3. उपर्युक्त निविदा मे ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु टेण्डरों को चाहिये कि वे अपने आपको I.T. Act-2000 के अन्तर्गत C.C.A. द्वारा जारी डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। 4. निविदा की दरें केवल डिजिटल हस्ताक्षरित फाइनेन्सियल रेट पेज पर ही विचारणीय हैं। दरें तथा अन्य वित्तीय प्रभार अन्य किसी भी फार्म/लेटरहेड पर यदि संलग्न है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा तथा सीधी तौर पर अमान्य कर दिया जायेगा। 5. निविदादाता अपनी निविदा के साथ निर्धारित प्रोफार्मा पर एक प्रमाण-पत्र जैसा निविदा प्रपत्र में उल्लिखित है, प्रस्तुत करेंगे, जिसके अभाव में उनकी निविदा अविचारणीय होगी तथा निरस्त कर दी जायेगी। 6. माल एवं/अथवा सेवाओं के सप्लायर/ठेकेदार समय-समय पर निर्धारित जी. एस. टी. एक्ट तथा नियमों के अन्तर्गत होंगे। 7. संलग्न किये जाने वाले सभी प्रपत्र निविदाकर्ता द्वारा हस्ताक्षरित होने चाहिये। 8. निविदा सूचना को उत्तर मध्य रेलवे की वेबसाइट www.ncr.indianrailways.gov.in पर भी अपलोड कर दिया गया है। 9. बयाने की राशि केवल नेटबैंकिंग अथवा पेमेंट गेटवे भुगतान के रूप में ही स्वीकार की जायेगी। 10. किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिये IREPS की वेबसाइट की हेल्प लाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। 11. आनलाइन निविदा निविदा खुलने की तिथि 05.08.2026 को समय 13:30 बजे तक प्रस्तुत की जा सकती है। 12. निविदादाता को जी.सी.सी. 2022 भाग-I के पैरा 10 से 18 के अनुपालन में उल्लिखित आवश्यक दस्तावेजों को निविदा के साथ अनिवार्य रूप से संलग्न करना है अथवा उनकी निविदा अपूर्ण मानी जायेगी एवं तदनुसार अविचारणीय होगी।

1578/26(AK)

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

सम्पादकीय.....

जहरीली विरासत

शासन–प्रशासन के तमाम दावों के बावजूद आज भी पंजाब की नदियों को जहरीला बनाने का सिलसिला बदस्तूर जारी है। जिसकी पुष्टि नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के समक्ष पंजाब पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड की स्वीकृति है कि आज भी आठ सौ से अधिक प्रदूषण के स्रोत राज्य की नदियों को प्रदूषित कर रहे हैं। निश्चय ही यह तथ्य उन विभागों व संस्थाओं के कामकाज पर सवालिया निशान है जो पर्यावरण संरक्षण के प्रबंधन से जुड़े हैं। साथ ही लंबे समय से अदालत के हस्तक्षेप व विभिन्न सर्वेक्षणों में सामने आए तथ्यों की पुष्टि होती है कि राज्य में जागरूकता की कमी नहीं है, बल्कि समय रहते प्रभावी कार्रवाई न होने से उपजा संकट है। वर्षों से सरकारें एक्शन प्लान बनाने के दावे करती रही हैं। कभी ट्रीटमेंट प्लांट बनाने की बात होती है तो कभी कमेटियां बनाने के दावे होते हैं। आखिर क्यों आज भी बिना साफ किया हुआ सीवेज और औद्योगिक कचरा सतलुज,ब्यास और इनकी सहायक नदियों में बदस्तूर बहाया जा रहा है। जाहिर है, मौजूदा संसाधनों का या तो पूरा उपयोग नहीं हो पा रहा है या उनका रखरखाव ठीक नहीं है। फलतः जन–स्वास्थ्य से जुड़ा एक बड़ा संकट पैदा होता है। जो धीरे–धीरे आपदा का रूप ले लेता है। आज फैक्ट्रियों से निकलने वाले रसायनों के जरिये भारी धातुएं और जहरीले तत्व भूजल को प्रदूषित करने के बाद, हमारी खाद्य शृंखला में शामिल हो रहे हैं। जो राज्य के बहुचर्चित ' कैंसर बेल्ट' के रूप में हमारे सामने मौजूद है। निस्संदेह, पंजाब में यदि हरित क्रांति का परचम लहराया तो उसके मूल में पंजाब की नदियों की बड़ी भूमिका रही है। लेकिन आज वे तंत्र की काहिली, अनियोजित शहरीकरण, नियम–कानूनों का क्रियान्वयन न होने और दोषियों को सजा न मिलने का दंड चुका रही हैं। एनजीटी गाहे–बगाहे नगर निकायों की शिथिलता दर्शाकर सच्चाई से आम लोगों को अवगत कराता रहा है। निस्संदेह, पर्यावरण संरक्षण के प्रयास तब तक सफल नहीं हो सकते हैं जब तक कि इसकी जिम्मेदारी तय न की जाए और सख्त जुर्माना लगाना पर्यावरण संरक्षण नीति का हिस्सा नहीं बनता है। राज्य ने साबित किया है कि मरणासन्न नदियों को फिर से जीवित किया जा सकता है। काली बेईं को पुनर्जीवित करने में जागरूक लोगों की बड़ी भूमिका रही है। जो दर्शाता है कि पक्के इरादे के साथ किए गये प्रयास से बेहद बुरे हालात में पहुंच चुके जल स्रोत को भी जीवंत बनाया जा सकता है। लेकिन इक्का–दुक्का सफलताएं ही व्यापक रणनीति की जगह नहीं ले सकतीं। जरूरी है कि नियम–कानूनों का कड़ाई से पालन किया जाए, सार्वजनिक रिपोर्टिंग को पारदर्शी बनाएं तथा सीवेज एवं कचरा–शोधन प्रणालियों में निरंतर निवेश बढ़ाया जाए। सर्वविदित है कि पंजाब का नाम यहां की नदियों से पड़ा है। ऐसे में इन नदियों को खुले नाले बनते रहने देने से न केवल हमारा पारिस्थितिकीय तंत्र व लोगों का स्वास्थ्य प्रभावित होता है, बल्कि राज्य की खुशहाली व पहचान के लिये भी एक खतरा है। अब मजबूत राजनीतिक इच्छा शक्ति दिखाने का वक्त है।

क्या है, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस यानी कृत्रिम बुद्धि

हरजिंदर सिंह लाल्टू

आजकल हर कहीं एआई का बोलबाला है। आखिर यह क्या बला है? चेक नाटककार कारेल चापेक ने 1920 में एक नाटक लिखा था– आरयूआर (रोसुमोवी युनिवर्सालनी रोबोती)। इसका अर्थ है– रोसुमोव के सार्वभौमिक रोबोट। नाटक में रोसुमोव एक वैज्ञानिक हैं जिनकी कंपनी इंसान जैसी दिखने वाली रोबोट मशीनें बनाती है। रोबोट एक चेक शब्द है जिसका अर्थ होता है– बंधुआ मजदूर। चापेक के नाटक के बाद से मशीनों में इंसान जैसी काबिलियत की चर्चाएं गाहे–बगाहे होती रही हैं। पिछली सदी के छठे दशक में ये चर्चाएं कल्पनालोक से निकलकर विज्ञान के दायरे में संजीदा सवाल बनकर तब सामने आईं, जब आधुनिक कंप्यूटर बनने लगे। इनमें सिलिकॉन टेक्नॉलॉजी से बने ट्रांजिस्टरों की मदद से तेजी से गणनाएं मुमकिन होने लगीं। जैसे–जैसे कंप्यूटर टेक्नॉलॉजी गणनाओं से इतर तमाम दूसरे क्षेत्रों में प्रभाव डालने लगी और सूचना यानी इन्फॉर्मेशन टेक्नॉलॉजी का कारवां बढ़ा, एआइश पर शोध भी तेजी से होने लगा। नई–नई मशीनें बनीं, खास तौर पर फिल्मों में इन्हें बढ़ा–चढ़ाकर दिखलाया गया। श्रोबोटश लफ्ज घरेलू बातचीत का हिस्सा बन गया। मेडिकल रिसर्च में रोबोट का इस्तेमाल आम हो गया है और हर दिन किसी नई खोज का पता चलता है। इंसानी काबिलियत से कहीं आगे बढ़कर आंकड़ों से मानीखेज जानकारी ढूंढ निकालने का काम कंप्यूटर कई दशकों से कर ही रहे हैं, जिससे नई दवाइयां बनाने में बड़ी तरक्की हुई है। इनके साथ तबाही के हथियारों में भी एआईश का इस्तेमाल हो रहा है और नए किस्म के कंप्यूटर से चलने वाले ड्रोन या लेजर–गन या मिसाइल आदि अब आम हथियारों में शामिल हो गए हैं, जिनके जरिए कोई मुल्क धरती पर कहीं भी कहर बरपा सकता है। जाहिर है, एआई का ताना–बाना पूरी तरह कंप्यूटर टेक्नॉलॉजी से जुड़ा है। कंप्यूटर तो आजकल हर कहीं हैय मोबाइल फोन से लेकर आर्थिक लेन–देन तक। लिहाजा एआई भी हर कहीं है। एआई का सबसे बुनियादी सवाल मशीन को इंसानी बुद्धि कैसे मिले नहीं है, बल्कि यह है कि इंसान या दूसरे जानवरों को कैसे एक मशीन की तरह समझा जा सके। कई बार बेजान लगती चीजें भी ऐसा कमाल कर जाती हैं, जिससे जिंदा होने का गुमान होता है। ऐसी चीजों को एजेंट (यानी अभिकर्ता) कहा जाता है। एजेंट किसे कहें, वे क्या कर सकते हैं, ये सवाल विज्ञान और टेक्नॉलॉजी के तो हैं ही, साथ ही गहन दार्शनिक भी हैं।

एजेंट शब्द से इंसान की कल्पना होती है, पर एआई में एजेंट का मतलब ऐसा कुछ भी हो सकता है, जिससे कोई कार्रवाई शुरू हो जाए। मसलन वह रोबोट जैसी मशीन हो सकती है जो भौतिक स्तर पर अपने इर्द–गिर्द हरकत करती हो, या वह महज एक कंप्यूटर–प्रोग्राम हो सकता है, जो की बोर्ड पर बटन दबाकर लिखा गया हो या जिसे किसी और कंप्यूटर–प्रोग्राम के जरिए लिखा गया हो और जिसे सक्रिय कर कोई कार्रवाई शुरू हो सकती है। यानी एजेंट असली या आभासी दोनों हो सकते हैं। जाहिर है, असल और आभासी तय करना हमेशा आसान नहीं होता। यहीं पर चेतना के विज्ञान के साथ एआई की टक्कर होती है। दर्शन का एक चिरंतन सवाल है कि हम जो कुछ करते हैं, क्या वह अपनी मर्जी से करते हैं या कोई और हमसे करवाता है। हम जानते हैं कि सही–गलत हर तरह के खयाल हमारे मन में आते हैं, पर क्या करना है और क्या नहीं, यह फैसला हमारे हाथ में होता है। एक रोबोट ऐसा फैसला नहीं कर सकता। हालांकि ऐसे दावे किए गए हैं कि हाल के रोबोट में इस तरह के फैसले लेने की काबिलियत मुमकिन हो पाई है, पर ऐसे दावे अभी तक गलत ही साबित होते रहे हैं। इंसानों में भी एजेंटों जैसी फितरत पाई जाती है, लेकिन इसका एक पहलू और भी है। जैसे एक चींटी को समझना मुश्किल होता है, मजदूर चींटियों और रानी समेत पूरे चींटी समाज को देखने पर ही पता चलता है कि कतार में जा रही चींटियां आखिर क्या कर रही हैं। इसी तरह अकेले एक इंसान को जानकर हम सामाजिक, जातिगत या राष्ट्रवादी गतिविधियों को नहीं समझ सकते। समूह में एजेंट क्यों खास तरह की हरकतें करते हैं, इसको समझना भी एआई में चल रहे शोध का विषय है। आम तौर पर लोग एआई का मतलब महज तरह–तरह की रोबोट मशीनों को समझते हैं, जिनका अलग–अलग सेक्टर्स में इस्तेमाल हो रहा है। वैज्ञानिक इसे कमजोर या वीक एआई कहते हैं। कमजोर का मतलब है, जिन सवालों पर काम होता है, वे महज टेक्नॉलॉजी की तरक्की और बेहतरी के सवाल हैं। इसके बरक्स मजबूत या स्ट्रॉन्ग श्एआईश चेतना के विज्ञान से जुड़ता है। यहां इंसान को मशीन की तरह सामने रखते हुए मशीन में इंसानी अकल और समझ कैसे लाई जाए, इस पर काम होता है। अकल और समझ के साथ चेतना, नैतिकता और तमाम जज्बात भी जुड़ते हैं। जाहिर है, ये बड़े मुश्किल सवाल हैंय इसीलिए इसे मजबूत एआई कहा जाता है।

ऐसा नहीं है कि कमजोर श्एआईश में इंसानी बुद्धि पर काम नहीं होता, पर वहां बुद्धि और समझ के किसी एक पक्ष को सैद्धांतिक रूप से समझकर कंप्यूटर प्रोग्राम के द्वारा उसे मशीन में डालने की कोशिश होती है। जैसे बगैर ड्राइवर के चलने वाली गाड़ियों में तरह–तरह के सेंसर लगे होते हैं, जो सड़क पर आ रहे अवरोधों को कंप्यूटर में दर्ज करते हैं, ताकि उनसे बचाव करने के तरीके अपनाए जा सकें, पर ये इंसानी बुद्धि के एक ही पक्ष यानी आवागमन और उसमें भी महज तकनीकी पक्ष पर काम करती मशीनें हैं। एक इंसान गाड़ी चलाते हुए कई विकल्पों पर सोचता रहता है, बीच रास्ते में कहीं जाने या न जाने का फैसला बदल सकता है, रुकने या चलते रहने का फैसला ले सकता है और यह सब कुछ पहले से तय नहीं होता। इंसानी दिमाग की इन जटिलताओं को पकड़ कर हर पल उस पर अमल करे, ये मजबूत एआई के सवाल हैं। यह जरूरी नहीं है कि एआई के तहत बनाई गई मशीनें हमेशा इंसानी दिमाग और समझ पर ही आधारित हों। आखिर एक कंप्यूटर जिस विशाल मात्रा में आंकड़े समेट सकता है और जितनी तेजी से गणनाएं कर सकता है, वह इंसान की काबिलियत से कहीं ज्यादा है। ऐसा मुमकिन है कि हमारे दिमाग अपने आकार और अंदरूनी खाके की वजह से एक दायरे में बंधे हैं और एआई कभी ऐसी मशीनें बना दे जो समझ में इंसानों से कहीं आगे की हों। कमजोर श्एआईश में इंसान और दीगर जानवरों में मौजूद समझ की बुनियाद और दायरों की खोज का नतीजा वे तमाम मशीनें हैं जिनके जरिए हमारी जिंदगी भौतिक रूप से बेहतर हुई है। इसके साथ ही इंसान के दिमाग को मशीनों के साथ जोड़कर सुपर–इंटेलिजेंट इंसान की कल्पना पर भी काम हो रहा है।

दिमाग की प्रक्रियाएं तंत्रिका आवेगों या इंपल्स के जरिए होती हैं जो कंप्यूटर में इस्तेमाल होने वाले चिप की तुलना में बहुत ही धीमी गति से चलते हैं। पिछले कुछ दशकों से शरीर में इलेक्ट्रॉनिक चिप लगाकर कुछ खास तरह की काबिलियत बढ़ाने पर काम हुआ है। मशीनों की कामयाबी से दिमाग के काम करने के तरीकों पर भी समझ बढ़ती है।

दतिया से शुरू कांग्रेस एकता की नई कहानी

शकील अख्तर

दतिया से मध्य प्रदेश कांग्रेस की एकता की नई कहानी शुरू हो सकती है और अगर मध्यप्रदेश के नेताओं ने यह कर दिखाया तो इसका असर उन राज्यों पर भी पड़ेगा जहां कांग्रेस भारी गुटबाजी से ग्रस्त है।फिलहाल पंजाब गुटबाजी का सबसे बड़ा केन्द्र बना हुआ है। चुनाव में छह महीने से कम का समय बचा है। कांग्रेस की संभावित जीत वाला राज्य है। मगर वहां के नेता विधानसभा जीत से ज्यादा आपस में एक दूसरे पर जीत में लगे हैं। उत्तराखंड का भी यही हाल है। वहां भी अगले साल के शुरू में चुनाव हैं। यहां भी कांग्रेस की स्थिति अच्छी बताई जा रही है। मगर गुटबाजी यहां भी खत्म होने का नाम नहीं ले रही। राजनीति में जीत जरूरी है। और जरूरी क्या सबसे अहम चीज वही है। मध्यप्रदेश के कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने यह समझा है। दतिया उपचुनाव में वह पूरी ताकत लगाए हुए हैं। पहला पड़ाव बेहतर उम्मीदवार को टिकट देकर उन्होंने पार कर लिया है। अच्छी छवि, पार्टी के प्रति वफादारी और सबसे अधिक जीत की संभावना वाले घनश्याम सिंह को उपचुनाव के लिए तैयार कर के जीतू पटवारी ने अपने राजनीतिक कौशल का बेहतरीन परिचय दिया है। दतिया राजघराने के वारिस कुंवर घनश्याम सिंह वैसे तो दो बार दतिया से विधायक रह चुके हैं। लेकिन फिर वे जिले की ही दूसरी जनरल सीट सेंवढ़ा पर चले गए थे। वहां 2018 का विधानसभा चुनाव जीते और अब भी वहीं तैयारी में लगे हुए थे। मगर अचनाक दतिया से 2023 में जीते कांग्रेस विधायक राजेन्द्र भारती की सदस्यता रद्द होने से यह उप चुनाव कांग्रेस के लिए प्रतिष्ठा का सवाल बन गया। राजेन्द्र को एक कोर्ट ने तीन साल की सजा सुनाई थी। जिसके बाद उनकी विधायकी रद्द कर दी गई और उपचुनाव की घोषणा हो गई। दिल्ली हाई कोर्ट से भी राजेन्द्र को कोई राहत नहीं मिली। इस घटनाक्रम में एक बड़ा मोड़ तब आया जब दतिया से तीन बार से जीत रहे भाजपा के नरोत्तम मिश्रा का टिकट पार्टी ने काट दिया। नरोत्तम के लिए यह एक बड़ा झटका था। अप्रत्याशित। उनके समर्थकों ने रात भर हंगामा किया। नेशनल हाईवे जाम से लेकर गाड़ियों और पुलिस पर पथराव, भाजपा दफ्तर पर कब्जा वहां से पथराव और जिला अध्यक्ष सहित पूरी कार्यकारिणी का इस्तीफा–सब कर लिया। मगर दिल्ली और भोपाल दोनों जगह से नरोत्तम को साफ बता दिया गया कि इस तरह की अनुशासनहीनता और हिंसा के बाद टिकट पर पुनर्विचार संभव ही नहीं है। कांग्रेस के लिए यह सुनहरा मौका बन गया। अगर यहां से कांग्रेस जीत जाती है तो मुख्यमंत्री मोहन यादव की उपचुनाव में यह लगातार दूसरी हार होगी। इससे पहले इसी ग्वालियर चंबल संभाग के विजयपुर विधानसभा उपचुनाव में मोहन यादव के मंत्री रामनिवास रावत को कांग्रेस हरा चुकी है। कांग्रेस मध्यप्रदेश में हमेशा से जनता की पहली पसंद रही है। लेकिन पूरे दिल से चुनाव नहीं लड़ना और गुटबाजी के कारण पिछले 23 साल से सत्ता से बाहर है। 2018 के चुनाव में जीत कर सरकार बनाई थी। मगर एक साल बीतते बीतते मुख्यमंत्री कमलनाथ अपने ही नेता को चौलेंज करने लगे कि सड़क पर उतर कर बताओ। ज्योतिरादित्य सिंधिया उतर गए और सरकार गिरा दी। फिर बीजेपी की सरकार आ गई। और 2023 में भी। लेकिन उस समय की एक घटना कांग्रेस के लिए बहुत प्रेरणादाई रही। जब ग्वालियर चंबल संभाग के अधिकांश कांग्रेस विधायक ज्योतिरादित्य के साथ बीजेपी में चले गए। तब घनश्याम सिंह राजपरिवारों के आपसी कनेक्शन और सिंधिया गुट के माने जाने के बाद भी उनके साथ नहीं गए। उस समय सेंवढ़ा से विधायक थे। पार्टी के प्रति उनकी वह वफादारी इस समय कांग्रेस में बहुत सम्मान और अभिमान के साथ याद की जा रही है। दतिया के टिकट के दावेदार कई थे और नरोत्तम का टिकट कट जाने के बाद तो कई लोगों को लग रहा था कि उनकी जीत पक्की है। क्योंकि सब यह संभावना व्यक्त कर रहे थे कि टिकट कटने के बाद उनके लोगों का समर्थन उन्हें मिलेगा। और नरोत्तम भी नहीं चाहेंगे कि भाजपा के जिस नए प्रत्याशी आशुतोष तिवारी को टिकट दिया गया है, वह जीते। क्योंकि उसकी जीत के साथ यह सीट हमेशा के लिए उनके हाथ से निकल जाएगी। नरोत्तम पहले दतिया के पड़ोस की विधानसभा सीट डबरा जिला ग्वालियर से लड़ते थे। वहां से तीन बार विधायक रहे। मगर 2008 के परिसीमन में वह सीट रिजर्व घोषित कर दी गई। ज्योतिरादित्य के साथ जाने वाली इमरती देवी जो अपने सिंधिया समर्थक बयानों के लिए काफी चर्चित रहीं कि उनके कहने से कुएं में कूद जाऊंगी वहीं से विधायक थीं। बहरहाल जिक्र दतिया का हो रहा है जिसके बारे में मशहूर है कि अगर उर्दू में लिखा जाए तो दुनिया से एक नुक्ता (लेटर) ज्यादा आएगा। इसे रियासत टाइम में ऐसे कहा जाता था कि दुनिया से ऊपर है और अपनी स्वतंत्रता स्वाभिमान के मामले में थी भी। ग्वालियर की इतनी बड़ी सिंधिया रियासत कभी अपने प्रभाव में नहीं ले पाई। बगल की झांसी रियासत भी। तो खैर नरोत्तम 2018 में दतिया आ गए। यहां की जनता की तरह नेताओं में भी एक खासियत अतिरिक्त उदारता और मदद करने की भावना रही है। खुद अपना नुकसान उठाने की सीमा तक। भाजपा के उस समय के दतिया के नेताओं ने अपने टिकट की बलि देकर नरोत्तम को यहां जगह दी। मगर समय सारे समीकरण बदल देता है। एक बार पांव जमने के बाद नरोत्तम ने फिर दतिया जिले की वह पूरी भाजपा अपने नियंत्रण में ले ली जिसने उन्हें यहां जगह दी थी। अभी केवल पूरी जिला कार्यकारिणी ही नहीं, चुने हुए नगरपालिका, पंचायत सभी भाजपा के पदाधिकारियों ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया था। भाजपा या इससे पहले जनसंघ के इतिहास में भी ऐसा कभी नहीं हुआ। अब भाजपा को यह साबित करना पड़ रहा है पार्टी से बड़ा कोई नहीं है। दतिया चुनाव मोहन यादव के लिए अस्तित्व का सवाल बन गया है। सोमवार को वे अपने प्रदेश अध्यक्ष और तमाम बड़े नेताओं के साथ नए प्रत्याशी आशुतोष का नामांकन भरवाने दतिया आ रहे हैं। इसी तरह प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी भी सोमवार को ही जो नामांकन की आखिरी तारीख है अपने प्रत्याशी के नामांकन में मौजूद रहेंगे। एक सप्ताह पहले भी वे उस समय दिग्विजय सिंह के साथ दतिया आए थे जब उनके आपस में तनाव की खबरें चल रही थीं। इसे एकता की कोशिशों के रूप में देखा गया था। दोनों एक ही ट्रेन से साथ बैठकर आए थे।

कांग्रेस ने एक ऐतिहासिक वापसी पहले ऐसे ही की थी। पचमढ़ी से। मध्यप्रदेश के पचमढ़ी का 1998 का कांग्रेस सम्मेलन उसकी एकता और आत्मविश्वास का वाहक बना था। सोनिया गांधी को अध्यक्ष बने केवल चार महीने ही हुए थे। पार्टी आन्तरिक झगड़ों से टूट रही थी। नेता कार्यकर्ताओं का आत्मविश्वास खत्म हो रहा था। ऐसे में पचमढ़ी सम्मेलन ने कांग्रेस को नई ऊर्जा और विश्वास से भर दिया था। एकता और आत्मविश्वास के साथ वापसी की यह कहानी अब दतिया से शुरू हो सकती है। कांग्रेस ने अच्छा केंडिडेट दिया है। बीजेपी में असंतोष है। और एक नई चीज जो सामान्यतरू बीजेपी में नहीं दिखती गुटबाजी वह ऐसी दिख रही है कि पुलिस और प्रशासन को लाठियां, आंसूगैस के गोले, गिरफ्तारियां करनी पड़ी हैं। यहां अगर कांग्रेस एक होकर लड़ी तो प्रदेश की एकता देश के लिए सबक बन जाएगी। राज्यों में सबसे बड़ी समस्या गुटबाजी की है। हरियाणा, राजस्थान इसी वजह से हारे हैं। अब पंजाब और उत्तराखंड जहां चुनाव हैं वहां इस पर कंट्रोल नहीं हो रहा है। राहुल को दतिया आकर यहां से एकता का नया संदेश देना चाहिए। एकता कांग्रेस को वापस मजबूत और जीत के आत्मविश्वास से भर देगी।

प.एशिया में तनाव से फिर बढ़ी वैश्विक चिंता

पश्चिम एशिया में फिर तनाव बढ़ रहा है। पिछली 28 फरवरी से शुरु हुआ युद्ध अवांछित जान–माल के नुकसान के बाद बीते दिनों थमा तो दुनिया ने राहत की सांस ली थी। लेकिन 60 दिनों का युद्धविराम समाप्त होने के बाद एक बार फिर से अमेरिका और ईरान युद्ध के मुहाने पर हैं। हाल ही में अमेरिका और ईरान के बीच तीखी बयानबाजी का दौर तो चला ही, इसके अलावा शनिवार देर रात अमेरिका ने ईरान के ऊपर आरोप लगाया कि उसने साइप्रस के झंडे वाले एक जहाज पर हमला किया है। इसके बाद अमेरिका की तरफ से ईरान के करीब 140 ठिकानों पर हमला किया गया। इस हमले के बाद ईरान ने भी पलटवार किया और कुवैत, बहरीन समेत प.एशिया में मौजूद तमाम अमेरिकी ठिकानों और सैन्य उपकरणों के अड्डों को निशाना बनाया। इसके बाद ईरान की श्इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड्स कॉर्प्सश आईआरजीसी ने चेतावनी दी है कि अगर अमेरिका आगे हमला करता है, तो वह तगड़ा पलटवार करेगा। ईरान ने दावा किया है कि उसकी नौसेना ने एक ऐसे मालवाहक जहाज को चेतावनी दी थी जो उसकी ओर से तय किए गए सुरक्षित मार्ग की बजाय दूसरे रास्ते से गुजर रहा था। अमेरिका की तरफ से हुए हमले पर पलटवार करने के साथ ही एक बार फिर से ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य मार्ग को बंद कर दिया है। ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद बागर गालिबाफ ने एक्स पर पोस्ट कर कहा है कि एकतरफा समझौतों का दौर अब खत्म हो चुका है। हमने आपसे कहा था, अपनी बात पर कायम रहें, वरना अंजाम भुगतें। हकीकत अब सामने आ रही है। उन्होंने अमेरिका के साथ हुए समझौते के पांचवें बिंदु का स्क्रीनशॉट भी शेयर किया है, जिसमें लिखा है कि समझौते पर हस्ताक्षर करने के बाद ईरान 60 दिनों तक बिना किसी कर वसूली के वाणिज्यिक जहाजों को फारस की खाड़ी से ओमान की खाड़ी तक सुरक्षित निकालने देगा। अब ईरान ने कहा है कि अगले आदेश तक होर्मुज जलडमरूमध्य बंद रहेगा। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अरागची ने अमेरिका पर युद्धविराम समझौते का उल्लंघन करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने ईरान को डॉलर में कच्चा तेल बेचने की जो छूट दी थी, उसे अचानक खत्म कर दिया। अरागची ने सोशल मीडिया पर लिखा, समझौते तभी चलते हैं जब दोनों पक्ष उसका पालन करें। इधर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फिर दावा किया कि ईरान उनकी हत्या की साजिश रच रहा है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि यदि ईरान ने उनके खिलाफ कोई कार्रवाई की तो अमेरिका तुरंत जवाब देगा। ट्रंप ने कहा, ईरान की ओर 1000 मिसाइलें तैयार हैं और जरूरत पड़ने पर हजारों और दागी जाएंगी। उन्होंने यह भी दोहराया कि अमेरिका युद्धविराम को समाप्त मानता है, लेकिन बातचीत का रास्ता पूरी तरह बंद नहीं किया गया है। इस तरह के बेतुके बयान ट्रंप शुरु से देते आए हैं। जब अमेरिका और इजरायल ने ईरान पर हमला बोला था, तब भी ईरान की तरफ से खतरा बताया गया था और उस पर परमाणु बम बनाने की साजिश का आरोप तो अमेरिका लगाता ही रहता है। जिस तरह ईरान पर हमले के नए–नए बहाने अमेरिका तलाशता है, उससे जाहिर है कि उसकी दिलचस्पी विश्वशांति में कतई नहीं है। बल्कि हथियारों का कारोबार फलता–फूलता रहा, युद्ध के कारण शेयर बाजार में उथल–पुथल जारी रहे और तेल की कीमतों में मुनाफाखोरी का मौका ट्रंप को मिले, यही असली दिलचस्पी है। पिछले हफ्ते जब दिवंगत नेता आयतुल्लाह अली खामेनेई के लिए शोकसभाएं हो रही थीं और उन्हें सुपुर्दे खाक करने की प्रक्रिया चल रही थी, तब भी ट्रंप ने अवांछित बयान दिया था कि वे चाहें तो एक साथ कई बड़े अधिकारियों को मार सकते हैं। 28 फरवरी को अमेरिका और इजरायल के हमलों में ही खामेनेई की उनके कई परिजनों के साथ हत्या कर दी गई थी। अमेरिका और इजरायल को मुगालता था कि खामेनेई को खत्म करके वे ईरान पर अपना नियंत्रण स्थापित कर लेंगे, लेकिन ईरान पूरी मजबूती के साथ अमेरिका का मुकाबला करता रहा, जिसके बाद मजबूरन ट्रंप को समझौते के लिए राजी होना पड़ा। हालांकि इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू इसके लिए कतई राजी नहीं हैं। गजा के साथ–साथ लेबनान और ईरान दोनों जगह इजरायल की कुदृष्टि पड़ी हुई है। अपने हमलों को जायज ठहराने के लिए नेतन्याहू ने आत्मरक्षा के मनमाने सिद्धांत प्रतिपादित किए हैं, लेकिन अंतरराष्ट्रीय न्यायालय जब उन्हें युद्धअपराधी ठहरा चुका है, तो उनके किसी भी तर्क पर यकीन करना मुश्किल है। ट्रंप के लिए घरेलू स्तर पर कई कठिनाइयां ईरान युद्ध के बाद खड़ी हुईं, तो उन्होंने समझौते का रास्ता अपनाया। मगर इतनी जल्दी ट्रंप उस रास्ते से विचलित हो चुके हैं, तो इसके पीछे कोई बड़ा दबाव या दुरभि संधि काम कर रही है, ऐसा माना जा सकता है। ईरान को इस युद्ध में दोषी की तरह देखने वाले लोग इस बात को क्यों नहीं देखते कि पहला हमला उसकी तरफ से नहीं हुआ और न ही उसने ऐसा कोई इरादा जाहिर किया था। लेकिन अगर उस पर वार होंगे तो पलटवार करना उसका हक बनता है। इस बार भी उसने यही किया। लेकिन उसके पड़ोसी और अमेरिका के सहयोगी सऊदी अरब की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि ईरान की ओर से अंतरराष्ट्रीय कानून, संयुक्त राष्ट्र चार्टर, ऑर्गनाइजेशन ऑफ इस्लामिक कोऑपरेशन के चार्टर और पड़ोसी संबंधों के नियमों का उल्लंघन हो रहा है। इसका सबूत कमर्शियल जहाजों पर ईरान के बार–बार होने वाले हमले हैं, जिनसे नेविगेशन की सुरक्षा और आजादी को खतरा पैदा होता है। ईरान पर उंगली उठाने वाले सऊदी अरब को यह नजर क्यों नहीं आ रहा है कि अमेरिका और इजरायल ने कितने अंतरराष्ट्रीय नियमों, कानूनों और संधियों का उल्लंघन किया है। उन्हें कभी कोई नसीहत क्यों नहीं दी जाती। इधर पाकिस्तान ने फिर से ईरान से चर्चा की है और शांति की पहल पर जोर दिया है। पिछला युद्धविराम भी पाकिस्तान की मध्यस्थता के कारण संभव हुआ था, जिससे वैश्विक पटल पर पाकिस्तान को काफी मजबूती और बढ़त हासिल हो गई थी। भारत ने तब एक अच्छा मौका खो दिया था, क्योंकि प्रधानमंत्री मोदी चाहते तो ईरान के साथ हजारों साल के रिश्ते निभाते हुए अमेरिका से भी दोस्ती निभाते और दोनों के बीच समझौता करवाने की पहल करते। अब एक बार फिर मोदी के सामने मौका आया है कि वे भारत की नेतृत्व क्षमता दुनिया को दिखाएं, सवाल यही है कि क्या मोदी ऐसा कर पाएंगे। वैसे होर्मुज जलडमरूमध्य का दोबारा बंद होना और अमेरिका के नए हमले इस बात का संकेत हैं कि यदि दोनों देशों के बीच जल्द कोई कूटनीतिक समाधान नहीं निकला तो इसका असर केवल पश्चिम एशिया तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि वैश्विक तेल बाजार, समुद्री व्यापार और विश्व अर्थव्यवस्था पर भी गंभीर पड़ सकता है।

टॉय कार से बच्चों की तरह खेलते दिखे सीएम विजय, यूजर्स को पसंद आया अभिनेता का अंदाज

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय ने चेन्नई सचिवालय में एक आधिकारिक बैठक के दौरान फैंस को अपने चंचल अंदाज की एक झलक दिखाई। एक्टर और राजनेता का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है। वीडियो में वह उत्साह के साथ एक छोटी इलेक्ट्रिक कार को देख रहे हैं और उसके साथ खेल रहे हैं। कई लोग इसे उनका सबसे प्यारा पल बता रहे हैं। दरअसल सीएम विजय ने एशिया के मैनेजिंग डायरेक्टर फाम सान चाऊ के साथ तमिलनाडु में इलेक्ट्रिक वाहन निवेश पर एक बैठक की थी। एक्स पर शेयर किए गए इस वीडियो में देखा जा सकता है कि फाम सान चाऊ ने सीएम विजय को कार का एक बहुत छोटा मॉडल भेंट किया। अपनी डेस्क पर बैठे विजय मॉडल को ध्यान से देख रहे हैं। वह उसके चारों दरवाजे खोलते हैं, केबिन के अंदर झांकते हैं। वह उसकी बारीकियों को समझते हैं। फिर उसे टेबल पर रख देते हैं। इस बातचीत के दौरान सीएम की उत्सुकता और मुस्कान ने सोशल मीडिया यूजर्स का दिल जीत लिया है। वीडियो पर कमेंट करते हुए एक यूजर ने लिखा श्विजय अंदर के

> एक्स पर शेयर किए गए इस वीडियो में देखा जा सकता है कि फाम सान चाऊ ने सीएम विजय को कार का एक बहुत छोटा मॉडल भेंट किया। अपनी डेस्क पर बैठे विजय मॉडल को ध्यान से देख रहे हैं। वह उसके चारों दरवाजे खोलते हैं, केबिन के अंदर झांकते हैं।

बच्चे को बाहर ले आए। एक यूजर ने लिखा इंसान के अंदर से बच्चे को कभी नहीं निकाला जा सकता। एक और यूजर ने लिखा मैं भी ऐसा ही करता। तीसरे यूजर ने लिखा बहुत क्यूट आपको बता दें कि विजय की आखिरी फिल्म जन नायकन जल्द ही भारत में रिलीज हो सकती है। एच. विनोथ के निर्देशन में बनी इस फिल्म को सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन (सीबीएफसी) से। सर्टिफिकेट मिला है। मेकर्स ने अभी तक दुनिया भर में रिलीज की तारीख की आधिकारिक घोषणा नहीं की है। मगर यूके के डिस्ट्रीब्यूटर अहिंसा एंटरटेनमेंट ने पुष्टि की है कि फिल्म 24 जुलाई को वहां के सिनेमाघरों में रिलीज।

सिनेमाघरों के बाद अब ओटीटी पर रिलीज होगी सामंथा की 'मां इंटी बंगारम'

सामंथा रुथ प्रभु की ब्लॉकबस्टर फिल्म श्मां इंटी बंगारमश सिनेमाघरों के बाद अब ओटीटी पर आने को तैयार है। फिल्म 19 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी और तब से इसने दुनिया भर में 100 करोड़ रुपए से अधिक की कमाई की है। यह फिल्म महिलाओं के लीड रोल वाली पहली तेलुगु फिल्म बन गई है, जिसने यह मुकाम हासिल किया है। यह फिल्म जल्द ही ओटीटी पर आएगी। 'मां इंटी बंगाराम' अपनी रिलीज के 28 दिन बाद 17 जुलाई से जियोहॉटस्टार पर स्ट्रीम होगी। घोषणा करते हुए ओटीटी प्लेटफॉर्म ने लिखा, 17 जुलाई को बस देखते जाओ हम उन सभी को बुरी तरह हरा देंगे। प्यार से, मेरे दोस्त। 'मां इंटी बंगाराम' 17 जुलाई से जियोहॉटस्टार पर स्ट्रीमिंग करेंगी।' हालांकि, घोषणा में यह नहीं बताया गया कि फिल्म तेलुगु के अलावा किन भाषाओं में स्ट्रीम होगी, फिर भी कई लोगों को यह जानने की उत्सुकता थी कि क्या यह हिंदी में भी उपलब्ध होगी। जियोहॉटस्टार वेबसाइट के अनुसार, मां इंटी बंगारम हिंदी में रिलीज नहीं होगी, लेकिन तेलुगु, तमिल, कन्नड़ और मलयालम में उपलब्ध होगी। मां इंटी बंगारमश का निर्देशन नंदिनी रेड्डी ने किया है, इसे राज निदिमोरू ने बनाया है। फिल्म में समांथा मुख्य भूमिका में हैं, साथ ही गुलशन देवैया, मंजूषा मुक्काविल्ली, दिगंत मंचले, श्रीमुखी, गौतमी और अन्य कलाकार भी हैं। इसका संगीत संतोष नारायणन ने तैयार किया है। फिल्म की कहानी स्वर्ण (समांथा) की है, जो शादी के दो साल बाद पहली बार अपने पति अनिरुद्ध (दिगंत) के परिवार से मिलने जाती है। जब वह परिवार को प्रभावित करने की कोशिश कर रही होती है, ठीक वैसे ही जैसे उनकी दूसरी बहू अनुसूया (श्रीमुखी) ने किया था। तभी उसके अतीत से जुड़ी समस्याएं करुणा (गुलशन) के रूप में सामने आती हैं। स्वर्ण यह पक्का करने के लिए हर मुमकिन कोशिश करती है कि उसके नए परिवार को उसके हिंसक अतीत के बारे में कुछ भी पता न चले, भले ही इसके लिए उसे खुद भी हिंसा का सहारा क्यों न लेना पड़े।

शाहरुख खान को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत, मन्नत के रिनोवेशन का रास्ता साफ, बनेंगी दो नई मंजिलें

बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान और उनकी पत्नी गौरी खान को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। कोर्ट ने उनके मुंबई स्थित मशहूर बंगले मन्नत के रिनोवेशन के खिलाफ दायर याचिका को खारिज कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले के बाद अब शाहरुख खान और गौरी खान अपने घर मन्नत में बदलाव के साथ दो नई मंजिलें बनाने का काम शुरू कर सकते हैं। मुंबई के बांद्रा में स्थित मन्नत सिर्फ एक घर नहीं, बल्कि शाहरुख खान के फैंस के लिए एक बेहद खास जगह है। हर साल शाहरुख के जन्मदिन पर हजारों की भीड़ इस बंगले के बाहर जुटती है। शाहरुख अपनी बालकनी पर आकर फैंस का अभिवादन स्वीकार करते हैं। अब सुप्रीम कोर्ट के तीन जजों की बेंच जस्टिस सूर्यकांत, जॉयमाल्य बागची और वी मोहन ने भी एनजीटी के फैसले को सही माना। कोर्ट ने याचिकाकर्ता की मंशा पर भी सवाल उठाए और उनकी अपील को पूरी तरह खारिज कर दिया। मुंबई के एक सामाजिक कार्यकर्ता संतोष दौंडकर ने श्मन्नतश के निर्माण को लेकर विरोध किया था। उनका कहना था कि इस काम को मिली तटीय विनियमन क्षेत्रश्की मंजूरी पर्यावरण के नियमों के खिलाफ है। इससे पहले, राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण ने सितंबर 2025 में इस विरोध याचिका को खारिज कर दिया था। शाहरुख खान जल्द ही फिल्म श्किंगश में नजर आएंगे। यह एक आगामी एक्शन–थ्रिलर फिल्म है। किंग का निर्देशन सिद्धार्थ आनंद कर रहे हैं। इस फिल्म में शाहरुख खान के साथ उनकी बेटी सुहाना खान भी नजर आएंगी।

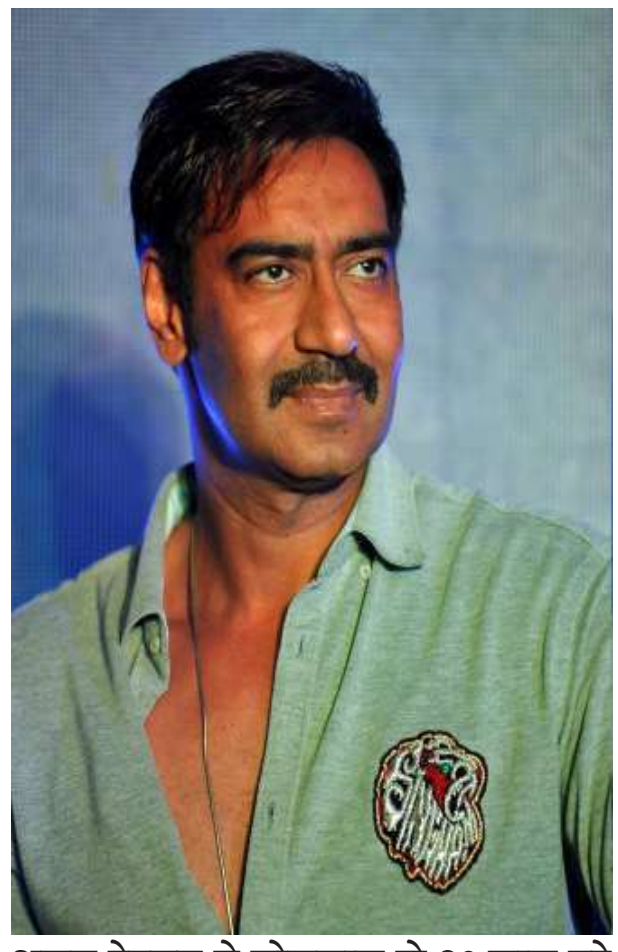

अजय देवगन ने गोलमाल के 20 साल पूरे होने का मनाया जश्न, साझा किए मोशन पोस्टर, लिखा–मजा अभी भी बेहिसाब

मशहूर अभिनेता अजय देवगन ने मंगलवार को अपनी सुपरहिट कॉमेडी फिल्म श्गोलमालश के 20 साल पूरे होने पर खुशी जताई है। इसी के साथ अजय ने सोशल मीडिया पर फिल्म की पुरानी तस्वीरें भी साझा की हैं। अजय ने गोलमाल के इस सफर को याद करते हुए इंस्टाग्राम पर कई मोशन वीडियो साझा किए हैं। इसी के साथ अजय ने लिखा कि दो दशक पहले शुरू हुआ यह सफर आज भी लोगों को उतनी ही हंसी और खुशी दे रहा है। उन्होंने फिल्म के किरदारों की कुछ मजेदार तस्वीरें भी साझा की हैं। अजय ने लिखा, श्गोलमाल शुरू किए हुए 20 साल हो गए और इसका मजा आज भी वैसा ही है। फिल्म गोलमाल में अजय देवगन के साथ तुषार कपूर, अरशद वारसी, शरमन जोशी, रिमी सेन और परेश रावल मुख्य भूमिकाओं में थे। इस फिल्म का निर्देशन रोहित शेट्टी ने किया था। इसे नीरज वोरा ने लिखा था। यह फिल्म 14 जुलाई 2006 को रिलीज हुई थी। यह फिल्म मराठी नाटक घर–घर और गुजराती नाटक अफलातून से प्रेरित थी। यह चार दोस्तों की कहानी थी, जो एक अंधे बुजुर्ग दंपति के घर में रहने लगते हैं और कई मजेदार मुश्किलों में फंस जाते हैं। गोलमाल रिटर्न्स 2008 में रिलीज हुई थी। इसमें शक करने वाली पत्नी और पति के बीच की मजेदार अनबन को दिखाया गया था। गोलमाल 3, 2010 में रिलीज हुई थी। यह दो दुश्मन परिवारों की कहानी थी, जो आपस में टकराते हैं। गोलमाल अगेन 2017 में रिलीज हुई थी। इस भाग में हॉरर–कॉमेडी का तड़का लगाया गया था, जहां यह गैंग भूतों से मुकाबला करता है। आईएएनएस की खबर के अनुसार, फैंस के लिए अच्छी खबर यह है कि इस सीरीज की पांचवीं फिल्म गोलमाल 5 भी आ सकती है। इस फिल्म पर काम चल रहा है। इस बार इस फिल्म में खिलाड़ी अक्षय कुमार भी नजर आ सकते हैं।

मुस्लिम बॉयफ्रेंड से शादी पर हुए विवाद पर मोनालिसा ने तोड़ी चुप्पी, कहा–यह लव जिहाद नहीं, हिंदू रीति–रिवाज से शादी हुई

बॉलीवुड अभिनेत्री माधुरी दीक्षित ने सोशल मीडिया पर अपने पति डॉ. श्रीराम नेने के साथ कुछ खूबसूरत तस्वीरें साझा कर फैंस का दिल जीत लिया है। इन तस्वीरों के साथ उन्होंने पति के लिए एक प्यारा संदेश भी लिखा है। माधुरी दीक्षित ने ये तस्वीरें बोनी कपूर की बेटी अंशुला कपूर के वेडिंग रिसेप्शन के दौरान खिंचवाई थीं, जिन्हें उन्होंने आज इंस्टाग्राम पर साझा कर फैंस का दिल जीत लिया है। इन तस्वीरों में माधुरी ने एक बेहद खूबसूरत गुलाबी रंग की साड़ी पहनी हुई है। वहीं डॉ. श्रीराम नेने ब्लैक सूट में बेहद हैंडसम नजर आ रहे हैं। माधुरी ने इंस्टाग्राम पर अपनी कई खूबसूरत तस्वीरें साझा की हैं। इस गुलाबी साड़ी में माधुरी ने कई दिलकश पोज देकर फैंस का दिल जीत लिया है। एक तस्वीर में माधुरी अपने पति राम को गले लगाते हुए नजर आ रही हैं। इसी के अलावा कई तस्वीरों में माधुरी अपने डॉगी के साथ पोज देती हुई बेहद खुश दिख रही हैं। माधुरी दीक्षित और डॉ. श्रीराम नेने की शादी 17 अक्तूबर 1999 को हुई थी। डॉ. नेने अमेरिका में दिल के डॉक्टर हैं। शादी के बाद माधुरी अमेरिका के डेनवर में रहने लगी थीं। उनके दो बेटे हैं– एरिन और रयान। साल 2011 में यह पूरा परिवार वापस मुंबई शिफ्ट हो गया। माधुरी दीक्षित हाल ही में श्मां बहनश फिल्म में नजर आईं। यह एक डार्क कॉमेडी फिल्म है। इसमें माधुरी ने रेखा नाम की एक मां का रोल निभाया है, जिसकी रसोई में अचानक एक लाश मिल जाती है। इस फिल्म में उनके साथ तृप्ति डिमरी और रवि किशन जैसे कलाकार भी हैं।

जमीन पर कुछ देर बैठने के फायदों को जानने के बाद कुर्सी पर नहीं बैठना चाहेंगे आप

आज भले ही खाना खाने के लिए लोगों के घरों में डाइनिंग टेबल का ट्रेड चल पड़ा हो लेकिन कुछ साल पहले तक लोग जमीन पर बैठकर खाना खाना पसंद करते थे। क्या आप जानते हैं जमीन पर बैठकर खाना खाना सिर्फ लोगों की पसंद ही नहीं थी बल्कि ऐसा करने से उन्हें सेहत से जुड़े कई लाभ भी मिलते हैं। आइए जानते हैं जमीन पर कुछ देर बैठने से सेहत को मिलते हैं कौन से गजब के फायदे।

जमीन पर बैठने से सेहत को मिलते हैं कौन से फायदे–

पोस्चर सुधरे–

जमीन पर कुछ देर बैठने से पोस्चर में सुधार आता है। जमीन पर बैठने से जिन लोगों का बॉडी पोश्चर सही नहीं होता, वे अपने आप ही जमीन पर बैठने से सुधरने लगता है। जमीन पर बैठने से कंधे पीछे की तरफ खिंचते हैं जिससे आस–पास की मांसपेशियों को मजबूती मिलती है।

शरीर में लचीलापन बढ़ता है–

जमीन पर कुछ देर बैठने से रीढ़ की हड्डी में खिंचाव होता है, जिससे शरीर में लचीलापन बढ़ता है। जबकि लंबे समय तक कुर्सी पर बैठने की वजह से घुटने के पीछे की नसें कठोर हो जाती है और धीरे–धीरे दर्द का कारण बनती हैं।

पाचन तंत्र रहता है दुरुस्त–

जमीन पर बैठकर खाना खाने से पाचन तंत्र अच्छा बना रहता है। इस तरह भोजन करने से व्यक्ति का खाना आसानी से पच जाता है। ऐसा इसलिए क्योंकि खाना खाते समय व्यक्ति आगे की ओर झुकता है और उसे निगलने के लिए दोबारा पीछे की ओर जाता है। इस आगे–पीछे होने की वजह से पेट की मांसपेशियों पर दबाव पड़ता है और भोजन जल्दी पच जाता है।

दिमाग के लिए अच्छा–

ऐसा देखा गया है कि सुखासन और पद्मासन जैसी सिटिंग पोजीशन मैडिटेशन के लिए अच्छी होती हैं। इस तरह की पोजीशन में बैठने से स्ट्रेस से आराम मिलने के साथ शरीर में ऑक्सीजन का फ्लो भी बढ़ता है।

मोबिलिटी में सुधार–

माना जाता है कि जमीन पर बैठने से शरीर के कई हिस्सों जैसे कंधे, कोहनी, कलाई, कुल्हें, घुटने और पैरों के जॉइंट के आस–पास की मांसपेशियों का इस्तेमाल होता है। जिसकी वजह से व्यक्ति की मोबिलिटी में सुधार आता है। जिससे व्यक्ति को चोट और दर्द से दूर रहने में मदद मिलती है।

PCOS से परेशान महिलाएं रूटिन में शामिल करें ये 3 योगासन, समस्या से निपटने में मिलेगी मदद

आज के समय में महिलाओं के बीच पीसीओएस और पीसीओडी की समस्या आम हो गई है। जिसके पीछे सबसे बड़ी वजह खराब दिनचर्या, खानपान में गड़बड़ी और जरूरत से ज्यादा तनाव माना जाता है। इन दोनों ही समस्याओं में महिला के शरीर के हार्मोन्स गड़बड़ाने लगते हैं, जिससे बच्चेदानी (ओवरी) में सिस्ट यानी छोटी–छोटी गांठें हो जाती हैं। नतीजतन महिला को मोटापा, अनियमित पीरियड्स, इनफर्टिलिटी और इन्सुलिन रेजिस्टेंस जैसी कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है। बता दें, हमारे देश

में करीब 10 प्रतिशत महिला आबादी पीसीओडी की समस्या से परेशान है। हालांकि एक्सपर्ट्स की मानें तो जीवनशैली में कुछ बदलाव और योगासनों की मदद से न सिर्फ पीसीओएस और पीसीओडी के लक्षणों को कम किया जा सकता है बल्कि इससे होने वाले साइड इफेक्ट्स को भी दूर करने में मदद मिलती है। ऐसे में आइए जानते हैं आखिर वो कौन से 3 योगासन हैं, जिनकी मदद से हॉर्मोन्स के कारण होनेवाली pcos और pcod जैसी समस्याओं से छुटकारा पाने में मदद मिल सकती है।

सूर्य नमस्कार–

ज्यादातर लोग सूर्य नमस्कार का अभ्यास मन की एकाग्रता बढ़ाने और वेट लॉस करने के लिए करते हैं। लेकिन आपको जानकर हैरानी होगी कि पीसीओडी से पीड़ित महिलाएं अगर धीरे–धीरे इस आसन का अभ्यास करेंगी तो उन्हें अपने प्यूबिक एरिया की मसल्स यूरिनरी ट्रैक्ट वेन्स और लोअर एब्डोमिनल मसल्स को मजबूत बनाने में मदद मिल सकती है। जो महिलाओं की मेंस्ट्रुअल साइकिल को रेग्युलर बनाए रखने का काम करती है।

चक्कीचाल आसन–

चक्कीचाल आसन न सिर्फ करने में बेहद आसान है बल्कि पीसीओडी की समस्या को दूर करने में भी बेहद प्रभावी है। इस आसन को करने से गर्भाश्य, अंडाशय, किडनी और पेट के निचले हिस्सी की मसल्स की मसाज होती है, जिससे वो हेल्दी बनी रहती है।

नौका चलानासन–

नौका चलानासन का अभ्यास करने से पीरियड्स के दौरान होने वाले दर्द और अनियमिता की समस्या से छुटकारा मिलता है। इस योग का निरंतर अभ्यास करने से हार्मोंस को बैलेंस करने में मदद मिलती है।

30 के बाद त्वचा हो गई है ढीली तो ये उपाय बढ़ाएंगी चेहरे का निखार

जैसे–जैसे उम्र बढ़ती है तो इसका असर चेहरे पर दिखने लगता है। बढ़ती उम्र के साथ झुर्रियां, त्वचा का ढीला पड़ना और एजिंग जैसे लक्षण दिखने लगते हैं। खासकर जब महिलाएं 30 के पार जाती हैं तो यह समस्याएं चेहरे पर दिखना आम है। ऐसी त्वचा महिलाओं की खूबसूरती छीन लेती हैं। यदि 30 की उम्र के बाद स्किन का ध्यान ना रखा जाए तो त्वचा में ऐसे लक्षण दिख सकते हैं। आज आपको कुछ ऐसे तरीके बताते हैं जिनके जरिए आप अपनी त्वचा में कसावट ला सकती हैं। तो आइए जानते हैं इनके बारे में...

किन कारणों से होती है त्वचा ढीली?

त्वचा ढीली होने के कई कारण है जैसे उम्र बढ़ने के साथ स्किन की देखभाल न करना। त्वचा की सही से देखभाल न करने के कारण कनेक्टिंग ऊतकम कम होने लगते हैं जिसके कारण स्किन में कसाव की कमी आने लगती है। इसके अलावा ज्यादा देर तक धूप में रहना, अनहेल्दी खान–पान, स्मोकिंग की आदत, अधिक मेकअप करना, रात में बिना मेकअप हटाए सोने से भी स्किन ढीली होने लगती है।

यह फेस मास्क बनाएंगे स्किन टाइट

बनाना

बनाना का इस्तेमल करके आप त्वचा को टाइट बना सकते हैं। इसमें मौजूद पोषक तत्व एंटी–एजिंग के प्रभाव को कम करने में मदद करते हैं। इसके अलावा केले में विटामिन–सी भी पाया जाता है जो झुर्रियां कम करता है।

कैसे करें इस्तेमाल?

. सबसे पहले केले को अच्छे से मैश करें।

. इसके बाद चेहरे पर इसे लगाकर 15 मिनट के लिए छोड़ दें।

. तय समय बाद त्वचा को सादे पानी से धो लें।

कॉफी पाउडर

शोध की मानें तो कॉफी में क्लोरोजेनिक एसिड, क्विनिक एसिड, कंडेंस्ड प्रोएन्थोसाइनिडिन्स और फेरुलिक एसिड जैसे पॉलीफेनोल्स मौजूद होते हैं जो चेहरे की फाइन लाइन्स और झुर्रियां कम करने में मदद करते हैं।

सामग्री

कॉफी पाउडर – 1 चम्मच

नारियल तेल – 1 चम्मच

ब्राउन शुगर – 2 चम्मच

कैसे करें इस्तेमाल?

. सबसे पहले एक बर्तन में कॉफी पाउडर डालें।

. फिर इसमें ब्राउन शुगर और नारियल तेल मिलाएं।

.सारी चीजों को मिक्स करके स्क्रब तैयार कर लें।

. तैयार स्क्रब से चेहरे की मसाज करें।

. 10–15 मिनट के लिए इसे चेहरे पर लगाएं।

. तय समय बाद चेहरा सादे पानी से धो लें।

एलोवेरा जेल

त्वचा में कसाव लाने के लिए आप एलोवेरा जेल इस्तेमाल कर सकते हैं। इससे त्वचा की झुर्रियां काफी कम होंगी ।

कैसे करें इस्तेमाल?

. एलोवेरा जेल को त्वचा पर अच्छी तरह से ल गाएं।

. 15–20 मिनट तक स्किन को सूखने दें।

. तय समय बाद चेहरा सादे पानी से धो लें।

. हफ्ते में 2–3 बार इस्तेमाल करने से त्वचा का ढीलापन दूर होगा।

सामग्री

खीरे का रस – 1 चम्मच

गुलाब जल – 1/2 चम्मच गुलाब जल

कैसे करें इस्तेमाल?

. सबसे पहले खीरे का रस एक बर्तन में डालें।

. फिर इसमें गुलाब जल मिलाकर मिश्रण तैयार कर लें।

. तैयार मिश्रण से चेहरे पर 10 मिनट मालिश करें।

. तय समय बाद सादे पानी से चेहरा धो लें।

खीरे में पाया जाने वाला विटामिन–ई स्किन में कसाव लाने में मदद करेगा।

शहद

शहद भी स्किन को टाइट बनाने में मदद कर सकता है। 10–15 मिनट के लिए चेहरे पर शहद लगाएं। तय समय बाद चेहरा सादे पानी से धो लें। नियमित इस्तेमाल से त्वचा में कसावट आएगी।

पाइनएप्पल

पाइनएप्पल फेस मास्क लगाने से आपकी त्वचा में कसावट आएगी।

सामग्री

पाइनएप्पल का रस – 1 चम्मच

चंदन पाउडर – 1 चम्मच

चावल का आटा – 1/2 चम्मच

गुलाब जल – 1 चम्मच

विटामिन–ई कैप्सूल – 1

कैसे करें इस्तेमाल?

. एक बाउल में पाइनएप्पल का रस मिलाएं।

. इसके बाद इसमें मुलतानी मिट्टी, चावल का आटा, गुलाब जल और विटामिन–ई का कैप्सूल डालें।

. सारी चीजों को मिक्स करके मिश्रण तैयार कर लें।

. गोल–गोल घुमाते हुए इसे चेहरे पर लगाएं।

. 15–20 मिनट बाद चेहरा सादे पानी से धो लें।

. नियमित इस्तेमाल से आपकी स्किन ग्लोइंग बनेगी।

ये फूड्स भी लाएंगे स्किन में कसावट

विटामिन–सी

विटामिन–सी एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर होते हैं यह आपकी त्वचा को सूर्य की हानिकारकण किरणों से बचाते हैं। झुर्रियां, मुंहासे के निशान भी यह दूर करते हैं। संतरा, नींबू, आंवला, खट्टे फल आप अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं।

ग्रीन टी

ग्रीन टी भी स्किन को टाइट बनाने में मदद करती है। यह बॉडी से विषाक्त पदार्थ बाहर निकालती है जिससे आपकी बढ़ते एजिंग के लक्षण कम होते हैं।

हल्दी

हल्दी में पाए जाने वाले पोषक तत्व आपकी त्वचा को अंदर से स्वस्थ रखने में मदद करते हैं। इसे अपनी डाइट में आप शामिल कर सकते हैं। इसके अलावा हल्दी को आप चेहरे पर भी लगा सकते हैं।

ब्रोकली और गोभी

ब्रोकली, गोभी, शिमला मिर्च और टमाटर जैसी सब्जियां भी आपके स्किन का निखार लाने में मदद करती हैं। यह आपकी त्वचा को भी टाइट बनाते हैं। ब्रोकली, बंदगोभी और फूलगोभी क्रूसिफेरस सब्जियां होती हैं इसमें मौजूद विटामिन–सी, जिंक और सेलेनियम आपकी त्वचा को टाइट बाने में मदद करता है।

पनीर, टोफू और दही

प्रोटीन आपकी त्वचा में कसावट लाने में मदद करते हैं। इनमें पाया जाने वाला प्रोटीन स्किन को निखारने में भी मदद करता है। पनीर, टोफू, दही को आप अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं। डेयरी प्रोडक्ट्स खाने से स्किन भी निखरती है।

वेट लॉस ही नहीं एनीमिया की समस्या भी दूर करता है करी पत्ते का जूस, ये हैं फायदे

नाश्ते में पोहा बनाने से लेकर डिनर के चिकन का स्वाद बढ़ाने तक, घर में करी पत्ता के इस्तेमाल किया जाता है। करी पत्ते में आयरन, कैल्शियम, प्रोटीन, विटामिन बी2, विटामिन बी 1, विटामिन के साथ एंटीडायबिटिक, एंटी–ऑक्सीडेंट, एंटी–माइक्रोबियल जैसे कई औषधीय गुण भी मौजूद होते हैं। जो सेहत को कई तरह से फायदे पहुंचा सकते हैं। लेकिन आज बात करी पत्ते की नहीं बल्कि उसके जूस की हो रही है। आइए जानते हैं करी पत्ते का जूस पीने से वेट लॉस ही नहीं सेहत को मिलते हैं कौन से गजब के फायदे।

करी पत्ते का जूस पीने के फायदे–

वेट लॉस–

करी पत्ते में मौजूद कई विटामिन और मिनरल्स वेट लॉस में मदद कर सकते हैं। अगर आप भी वेट लॉस जर्नी में हैं तो करी पत्ते का जूस पीने से आपको लाभ मिलेगा। करी पत्ते में डाइक्लोरोमेथेन, एथिल एसीटेट और महानिम्बाइन जैसे जरूरी तत्व वेट लॉस के साथ कोलेस्ट्रॉल को भी कम करने में मदद करते हैं।

इम्यूनिटी बूस्ट–

करी पत्ते में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट गुण व्यक्ति की इम्यूनिटी मजबूत बनाए रखने में भी मदद करते हैं। नियमित रूप से करी पत्ते का जूस पीने से शरीर को वायरस और संक्रमण से बचाए रखने में मदद मिलती है।

एनीमिया से करें बचाव–

करी पत्ते के जूस में मौजूद आयरन और फॉलिक एसिड की अधिकता शरीर में खून की कमी को पूरा करने में मदद करती है।

डायबिटीज–

डायबिटीज को कंट्रोल में रखने के लिए भी करी पत्ते के जूस का सेवन किया जा सकता है। करी पत्ते में मौजूद हाइपोग्लाइसेमिक गुण शुगर लेवल को कंट्रोल में रखने में मदद करते हैं।

इंफेक्शन–

मौसमी इंफेक्शन से बचने के लिए भी करी पत्ते का जूस इस्तेमाल किया जा सकता है। करी पत्ते में मौजूद एंटीबायोटिक और एंटीफंगल गुण रोगाणुओं से लड़ने में मदद करते हैं। जिससे व्यक्ति को कई तरह के इंफेक्शन से दूर रहने में मदद मिलती है।

करी पत्ते का जूस बनाने का तरीका–

करी पत्ते का जूस बनाने के लिए सबसे पहले 1 कटोरी करी पत्ता लेकर उसे ठंडे पानी से अच्छी तरह धोकर साफ कर लें। इसके बाद धुले हुए करी पत्ते को 2 गिलास पानी में तेज आंच पर उबाल लें। जब पानी आधा रह जाए तो करी पत्ते के पानी को छलनी की मदद से छानकर अलग कर लें। अब इस पानी में 1 चम्मच शहद और स्वाद अनुसार नींबू का रस मिला लें। आप चाहें तो करी पत्ते के जूस में काली मिर्च या नमक का इस्तेमाल भी कर सकते हैं।

चेहरे की सुंदरता बढ़ाने के लिए इस तरह से लगाएं कॉफी पाउडर, मिलेगी ग्लोइंग स्किन

बदलते मौसम में स्किन का खास ख्याल रखना होता है। धूप धूल और प्रदूषण के कारण स्किन डल होने लगती है। चेहरे की सुंदरता बढ़ाने और ग्लो को बढ़ाने के लिए आप कॉफी का इस्तेमाल कर सकते हैं। ये स्किन से डेड स्किन को पूरी तरह से साफ करने में मदद कर सकता है। यहां जानिए कॉफी को चेहरे पर लगाने का तरीका–

फेस पैक बनाने के लिए आपको चाहिए...

कॉफी पाउडर

चावल का आटा

शहद

कच्चा दूध

कैसे बनाएं

इसे बनाने के लिए सभी चीजों को अच्छे से मिक्स करें और फिर चेहरे पर इसे सर्कुलर मोशन में मसाज करें। ऐसा कम से कम 3–4 मिनट के लिए करें। फिर चेहरे को ठंडे पानी से साफ करें। ध्यान रखें इस पैक को लगाने से पहले पैच टेस्ट जरूर करें। चेहरे की सुंदरता को दोगुना बढ़ाने के लिए आप इसमें एलोवेरा जेल मिला सकते हैं।

कॉफी फेस पैक के फायदे

– डैमेज सेल्स को रिपेयर करने के लिए आप कॉफी फेस पैक लगा सकते हैं।

– स्किन को डीप क्लीन करने के लिए इस फेस पैक को लगाएं। इसे लगाने पर स्किन में कसावट और चमकक भी आती है।

मिशन 2027 वनडे विश्वकप! इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज से पहले भारत के सामने क्या हैं पांच सबसे बड़े सवाल?

भारत और इंग्लैंड के बीच मंगलवार से शुरू होने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज कई मायनों में बेहद अहम मानी जा रही है। एक तरफ भारतीय टीम टी20 में मिली करारी हार को पीछे छोड़कर नई शुरुआत करना चाहेगी, वहीं दूसरी ओर यह सीरीज 2027 वनडे विश्व कप की तैयारियों का पहला बड़ा पड़ाव भी होगी। दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया की संयुक्त मेजबानी में होने वाले अगले विश्व कप में अभी 15 महीने से ज्यादा का समय है, लेकिन टीम इंडिया की रणनीति और संयोजन का खाका अभी से तैयार होने लगा है। इस सीरीज में चार ऐसे बड़े सवाल हैं, जिन पर चयनकर्ताओं, टीम प्रबंधन और प्रशंसकों की नजर रहेगी। सबसे बड़ा सवाल रोहित शर्मा को लेकर है। भारतीय क्रिकेट इतिहास में अब तक कोई भी 40 वर्षीय खिलाड़ी वनडे विश्वकप नहीं खेला है। रोहित इस रिकॉर्ड को बदलने की कोशिश में हैं। जब से शुभमन गिल वनडे टीम के कप्तान बने हैं और रोहित सिर्फ वनडे प्रारूप में खेल रहे हैं, तब से हर सीरीज से पहले उनके भविष्य को लेकर चर्चा शुरू हो जाती है। आईपीएल 2026 में रोहित ने मुंबई इंडियंस के लिए नौ मैचों में 283 रन बनाए। हैमस्ट्रिंग की परेशानी के कारण उन्हें कुछ मुकाबले भी छोड़ने पड़े। इसके बाद अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज में उन्होंने 16, 48 और 79 रन की पारियां खेलीं। हालांकि, यह ध्यान रखने वाली बात है कि 2023 विश्वकप के बाद से वह वनडे में भारत के सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। भारतीय तेज गेंदबाजी आक्रमण को इस सीरीज में सबसे बड़ी मजबूती जसप्रीत बुमराह की वापसी से मिलेगी। बुमराह ने अपना आखिरी वनडे 19 नवंबर 2023 को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व कप फाइनल में खेला था। अब वह 968 दिनों बाद वनडे क्रिकेट में वापसी करेंगे। भारत ने विश्व कप 2023 के फाइनल के बाद 26 वनडे खेले, लेकिन इनमें बुमराह एक भी

मैच का हिस्सा नहीं रहे। चोट और टी20 क्रिकेट को प्राथमिकता दिए जाने के कारण उन्हें आराम दिया गया था। अब जबकि टीम का पूरा फोकस 2027 विश्व कप पर है, बुमराह का कार्यभार धीरे–धीरे बढ़ाया जाएगा। वनडे विश्वकप से पहले लगातार वॉशिंगटन सुंदर और अक्षर पटेल को मौका दिया जा रहा है। पर रवींद्र जडेजा के रूप में एक अनुभवी ऑलराउंडर की कमी खल रही है। अक्षर ने हालांकि, बल्ले से अच्छा प्रदर्शन किया है, पर गेंद से जडेजा–सुंदर और अक्षर तीनों का प्रदर्शन सामान्य रहा है। यह नहीं भूलना चाहिए कि जडेजा जरूरत पड़ने पर बड़ी पारियां खेल सकते हैं और उनके पास जो अनुभव है, वह काम आ सकता है। इसके अलावा सुंदर की फील्डिंग में भी कमियां दिखी हैं। ऐसे में जडेजा जैसा फील्डर होना टीम के लिए फायदेमंद हो सकता है। पर वह कब वापसी करेंगे और कोच गंभीर उन्हें कब लाएंगे, इस पर अभी तक सस्पेंस है। जडेजा ने इस साल जनवरी में अपना पिछला वनडे खेला था। इंग्लैंड दौरा सिर्फ तीन वनडे मैचों की सीरीज नहीं है। यह भारतीय टीम के भविष्य की दिशा तय करने वाला दौरा भी है। रोहित शर्मा के करियर की अगली राह, जसप्रीत बुमराह की फिटनेस, ऑलराउंडर की तलाश और युवा खिलाड़ियों की परीक्षा, इन सभी सवालों के जवाब इसी सीरीज से मिलने शुरू होंगे। अगर भारत इंग्लैंड जैसी मजबूत टीम के खिलाफ संतुलित प्रदर्शन करता है, तो यह 2027 विश्व कप की तैयारियों के लिए सकारात्मक संकेत होगा। वहीं खराब प्रदर्शन टीम प्रबंधन को अपनी रणनीति पर दोबारा विचार करने के लिए मजबूर कर सकता है।

फीफा विश्वकप से एक जानवर उठाकर घर ले गए एर्लिंग हालंद

डलास,एजेंसी। फीफा विश्व कप 2026 से बाहर होने के बाद नॉर्वे के स्टार स्ट्राइकर एरलिंग हालंद एक अनोखी वजह से चर्चा में हैं। हालंद अमेरिका से 750 डॉलर का व्हिस्की रैकून नाम का टैक्सिडर्मी रैकून अपने साथ नॉर्वे ले गए। इसकी तस्वीर उन्होंने सोशल मीडिया पर साझा करते हुए मजाकिया अंदाज में लिखा कि यह खुद उनके साथ घर आ गया। विश्व कप में नॉर्वे के ऐतिहासिक प्रदर्शन के बाद यह रैकून टूर्नामेंट की सबसे चर्चित यादगार चीज बन गया। फीफा विश्व कप 2026 में नॉर्वे का ऐतिहासिक सफर क्वार्टर फाइनल में खत्म हो गया, लेकिन टीम के स्टार स्ट्राइकर एर्लिंग हालंद एक बार फिर सुर्खियों में आ गए। इस बार वजह मैदान पर उनका प्रदर्शन नहीं, बल्कि अमेरिका से अपने साथ लाया गया एक अनोखा साथी है। जब नॉर्वे की टीम सोमवार को ओस्लो के गार्डरमोएन एयरपोर्ट पहुंची तो प्रशंसक यह देखकर हैरान रह गए कि हालंद अपनी बांहों में एक भरा हुआ (टैक्सिडर्मी) रैकून लिए हुए थे। एयरपोर्ट पर रेड कार्पेट से गुजरते हुए हालंद एक हाथ में करीब 750 डॉलर (लगभग 65 हजार रुपये) का टैक्सिडर्मी रैकून और दूसरे हाथ में उसका व्हिस्की की बोतल वाला मॉडल लिए नजर आए। उन्होंने अपनी तस्वीर सोशल मीडिया पर साझा करते हुए मजाकिया अंदाज में लिखा, श्यह मेरे साथ घर तक आ गया। इस अनोखी यादगार की शुरुआत जुलाई की शुरुआत में हुई थी। विश्वकप के दौरान नॉर्वे की टीम टेक्सास में ठहरी हुई थी। खाली समय में हालंद डलास स्थित वाइल्ड बिल्स वेस्टर्न स्टोर पहुंचे, जहां उन्होंने अमेरिकी दक्षिणी संस्कृति से जुड़े कई सामान खरीदे। हालंद ने वहां से काली काउबॉय हैट, चमड़े के बूट और एक टी–शर्ट

खरीदी। इसी दौरान उनकी नजर दुकान में रखे टैक्सिडर्मी जानवरों पर पड़ी। उन्हें एक रैकून बेहद पसंद आया, जिसे व्हिस्की रैकून कहा जाता है। यह एक ऐसा सजावटी मॉडल है, जिसमें रैकून के हाथ में शराब की बोतल दिखाई गई है। हालंद ने इसे तुरंत खरीद लिया। रिपोर्ट के मुताबिक, 750 डॉलर में बिकने वाला यह व्हिस्की रैकून ऑनलाइन पूरी तरह बिक गया।

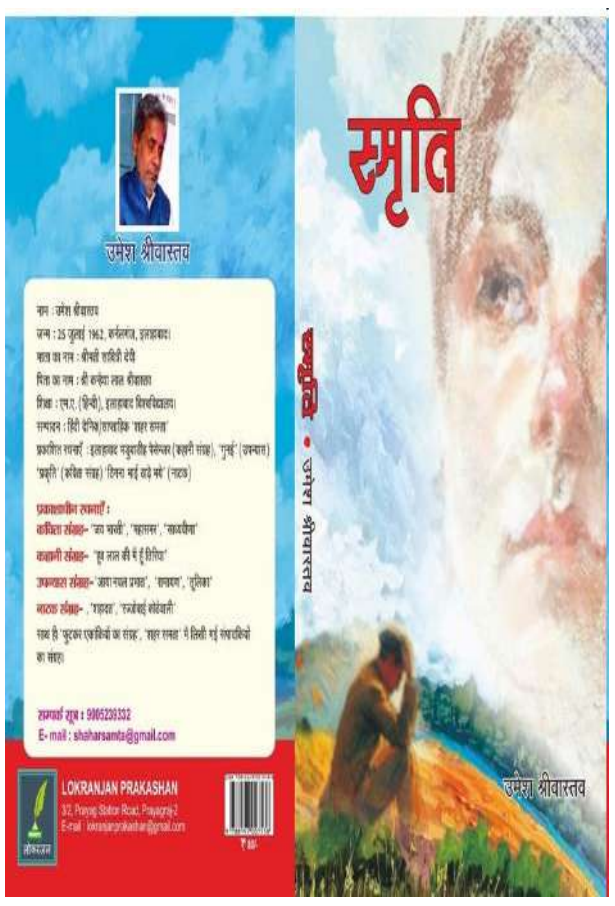

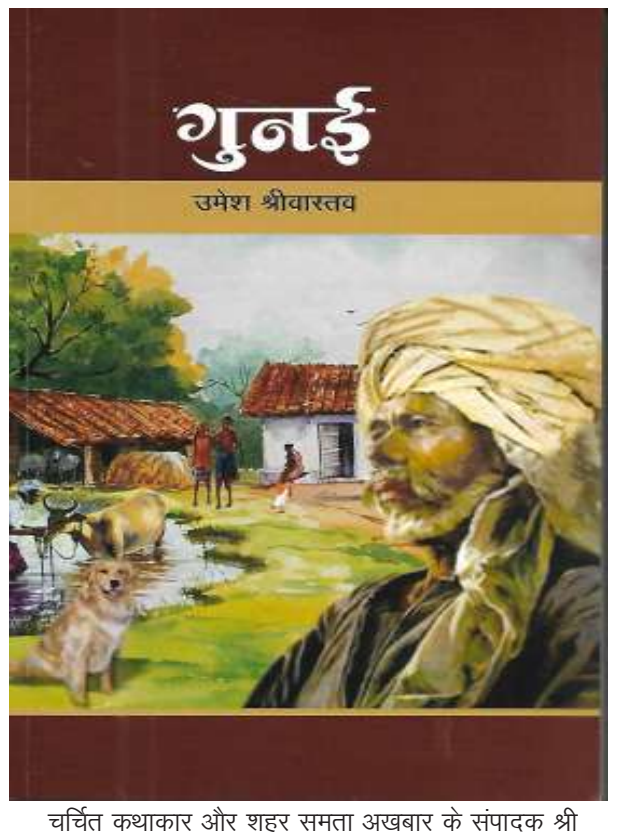

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

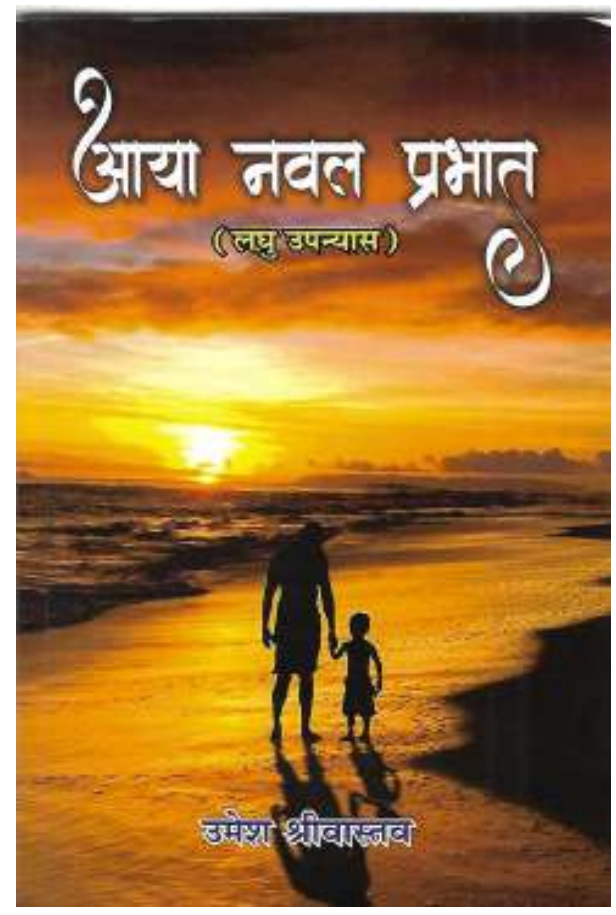

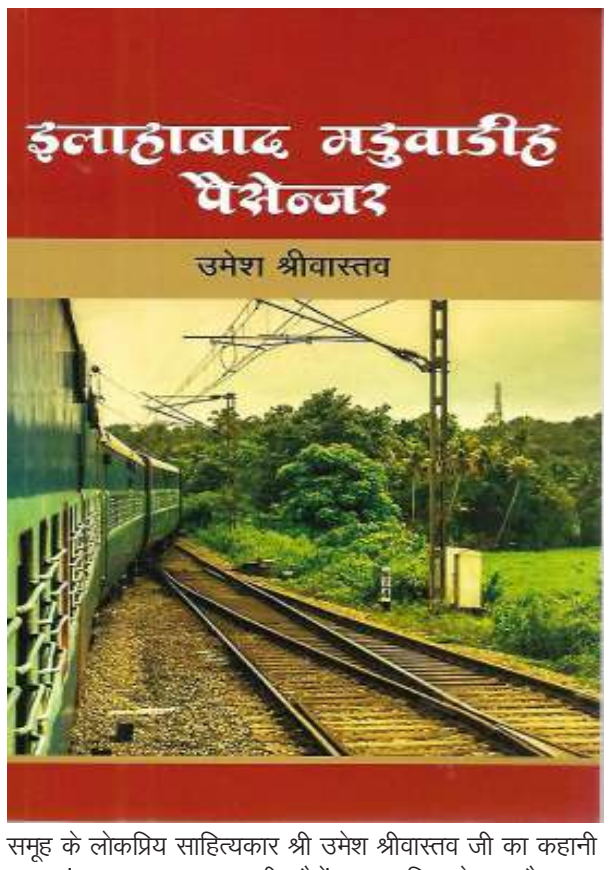

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

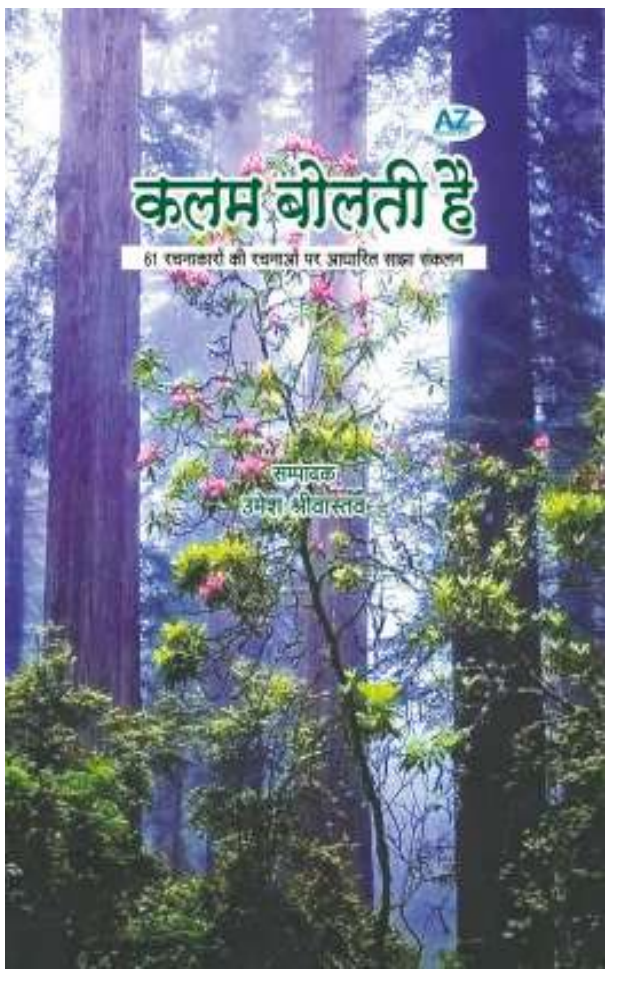

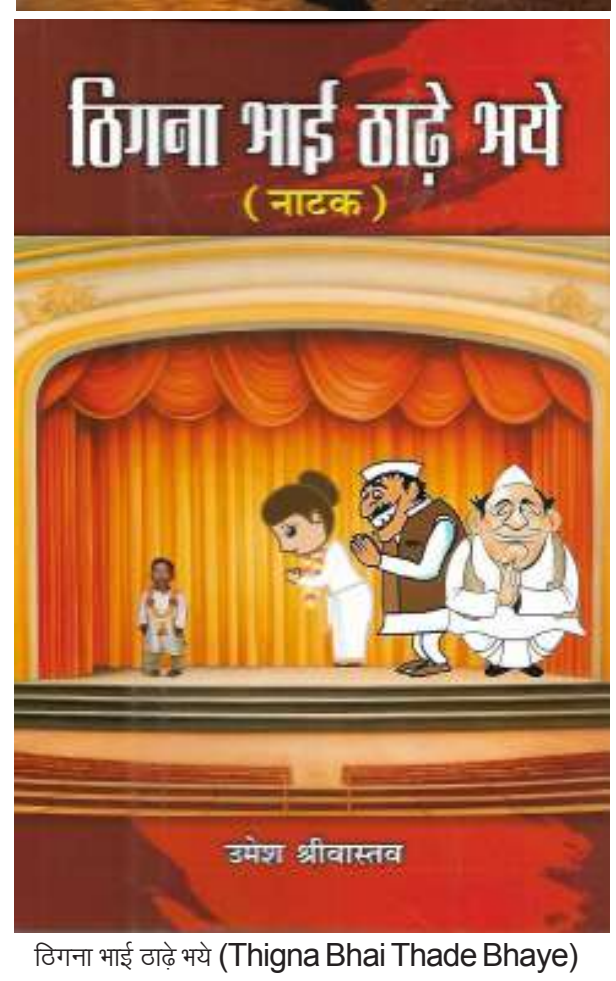

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

मैकुलम ने इंग्लैंड के फैंस से क्यों माफी मांगी? ईसीबी के क्रूर फैसले पर भी दी प्रतिक्रिया

बर्मिंघम,एजेंसी। ब्रेंडन मैकुलम ने राष्ट्रीय टेस्ट कोच के तौर पर अपने नतीजों के लिए इंग्लैंड के क्रिकेट प्रशंसकों से माफी मांगी है और माना कि अब किसी और को मौका देने का समय आ गया है। मैकुलम सीमित ओवरों की टीम के प्रभारी बने रहे, लेकिन रविवार को उन्हें टेस्ट क्रिकेट में इस भूमिका से हटा दिया गया जो वह 2022 से संभाल रहे थे। न्यूजीलैंड के इस खिलाड़ी ने पुष्टि की कि उन्हें हटाया गया था और उन्होंने खुद पद नहीं छोड़ा था जैसा कि इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने एक बयान में कहा था। एजबेस्टन में सोमवार को उन्होंने कहा, श्हां, मुझे ईसीबी ने पद से हटा दिया। मैं निराश था, लेकिन साथ ही मैं इस फैसले का पूरा सम्मान करता हूं। हम नतीजों पर आधारित खेल में हैं और असल में हमारे नतीजे उतने अच्छे नहीं थे। अब किसी और को मौका देने का समय आ गया है।श अब मैकुलम की नजर भारत के खिलाफ वनडे सीरीज पर है। बहुत सारे टी20 और कुछ टेस्ट मैच (न्यूजीलैंड के खिलाफ) खेलने के बाद इंग्लैंड को इस प्रारूप के लिए अपनी लय में लौटना होगा हालांकि टी20 में शानदार जीत से उसके खिलाड़ियों का मनोबल काफी बढ़ा होगा। बल्लेबाजी क्रम में जो रूट के शामिल होने से इंग्लैंड की बल्लेबाजी को और अधिक मजबूती मिलेगी। बल्लेबाजी में उसका दारोमदार हैरी ब्रूक, जैकब बेथेल और जोस बटलर पर टिका रहेगा।

क्या पीवी सिंधू इस बार खिताब की ओर बढ़ा पाएंगी मजबूत कदम? वोंग को हराकर दूसरे दौर में बनाई जगह

डलास,एजेंसी। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू ने जापान ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में शानदार शुरुआत करते हुए महिला एकल के दूसरे दौर में जगह बना ली है। मंगलवार को खेले गए पहले दौर के मुकाबले में विश्व की 10वें नंबर की खिलाड़ी सिंधू ने मलेशिया की वोंग लिंग चिंग को 21–14, 21–11 से हराकर आसानी से जीत दर्ज की। सिंधू ने मुकाबले की शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया। उन्होंने लंबी रैलियों में नियंत्रण बनाए रखते हुए शुरुआती बढ़त हासिल की और पहले गेम के इंटरवल तक 11–6 से आगे रहीं। इसके बाद उनके सटीक ड्रॉप शॉट, बैकहैंड और हाफ–स्मैश ने मलेशियाई खिलाड़ी पर लगातार दबाव बनाए रखा। भारतीय स्टार ने पहला गेम 21–14 से अपने नाम किया। दूसरे गेम में भी उन्होंने विरोधी खिलाड़ी को वापसी का कोई मौका नहीं दिया। सिंधू ने जल्द ही 8–2 की बढ़त बनाई और इंटरवल तक स्कोर 11–3 कर दिया। इसके बाद उन्होंने लगातार अंक जुटाते हुए 21–11 से गेम और मैच जीत लिया। मिश्रित युगल में भारत के ध्रुव कपिला और तनीशा क्रास्टो ने भी शानदार प्रदर्शन किया। भारतीय जोड़ी ने स्कॉटलैंड के एलेक्जेंडर डन और जूली मैकफर्सन को 21–16, 21–14 से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया। हालांकि भारत को मिश्रित युगल में एक निराशा भी हाथ लगी। रोहन कपूर और रुत्विका शिवानी गड्डे की जोड़ी पहले ही दौर में शीर्ष वरीय चीन के फेंग यान झे और हुआंग डोंग पिंग के खिलाफ टिक नहीं सकी। चीनी जोड़ी ने मुकाबला 21–11, 21–10 से जीतकर भारतीय खिलाड़ियों का अभियान समाप्त कर दिया। अब भारतीय बैडमिंटन प्रेमियों की नजरें दूसरे दौर में पीवी सिंधू और ध्रुव–तनीशा की जोड़ी पर होंगी। सिंधू यदि अपनी मौजूदा लय बरकरार रखती हैं तो जापान ओपन में खिताब की दावेदारों में मजबूती से बनी रह सकती हैं।

खेल मंत्रालय ने जूडो महासंघ को सशर्त मान्यता दीय क्या है पूरा मामला?

डलास,एजेंसी। खेल मंत्रालय ने भारतीय जूडो महासंघ (जेएफआई) के अंतरिम निकाय को सशर्त मान्यता दे दी है, जिसका चुनाव दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश के बाद पिछले महीने हुआ था। मंत्रालय ने इसके साथ ही चेतावनी दी कि अगर वह अदालत के निर्देशों का पालन नहीं करेगा तो उसे निलंबित कर दिया जाएगा। जेएफआई का संचालन 2022 से अदालत से नियुक्त प्रशासक कर रहे थे। दिल्ली उच्च न्यायालय ने इस साल फरवरी में अपने फैसले में निकाय को वार्षिक आम बैठक बुलाने और इस साल की शुरुआत में लागू किए गए राष्ट्रीय खेल प्रशासन अधिनियम के प्रावधानों का पालन करने के लिए कहा था। इसके बाद महासंघ ने अंतरिम कार्यकारी समिति का चुनाव किया, जिसके अध्यक्ष मुकेश कुमार हैं जबकि बानी ब्राता दास महासचिव और शैलेश तिलक कोषाध्यक्ष हैं। मंत्रालय ने एक अधिसूचना में कहा, यह फैसला किया गया है कि भारतीय जूडो महासंघ की कार्यकारी समिति (अंतरिम निकाय) को तत्काल प्रभाव से मान्यता दी जाए। इसमें कहा गया है, यह मान्यता दिल्ली उच्च न्यायालय तथा अन्य माननीय उच्च न्यायालयों में लंबित जेएफआई की कार्यकारी समिति के चुनावों से संबंधित चल रहे मामलों के परिणाम पर निर्भर करेगी। मंत्रालय ने कहा कि उच्च न्यायालय के निर्देशों का सख्ती से पालन नहीं कर पाने पर मान्यता रद्द कर दी जाएगी। अधिसूचना के अनुसार, अंतरिम निकाय की ओर से किसी भी चूक और किसी भी तरह की गंभीर अनियमितता की स्थिति में मान्यता को रद्द किया जा सकता है। मंत्रालय ने अदालत के निर्देशानुसार जेएफआई को कार्यकारी समिति के अंतिम चुनाव कराने के लिए कहा है। मंत्रालय ने कहा, श्जेएफआई के अंतरिम निकाय को दिल्ली उच्च न्यायालय के 12 फरवरी के आदेश के अनुसार निर्धारित समय सीमा के भीतर राष्ट्रीय खेल प्रशासन अधिनियम, 2025 और उसके नियमों के अनुरूप अपना संविधान संशोधित करना होगा।

अमेरिका-ईरान जंग में अब तक कितने भारतीयों की गई जान, कहां-कब-किसके हमले का शिकार बने देश के लोग ?

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच एक बार फिर होर्मुज जलडमरूमध्य में युद्ध शुरू हो चुका है। जहां ईरान होर्मुज से गुजरने वाले जहाजों को नियंत्रित करने और अपने बताए मार्गों से गुजरने के लिए मजबूर करने के लिए उन पर हमला कर रहा है तो वहीं अमेरिका की तरफ से तेहरान की इस कोशिश पर लगाम लगाए जाने की भरसक कोशिश की जा रही है। हालांकि, ईरान भी अब होर्मुज को पूरी तरह नियंत्रित करने पर अड़ा है। अमेरिका पर जवाबी कार्रवाई करते हुए ईरान ने पश्चिम एशिया में न सिर्फ उसके ठिकानों को निशाना बनाया है, बल्कि होर्मुज में जहाजों–टैंकरों पर भी हमले जारी रखे हैं। अगर हालिया हमलों की बात करें तो सोमवार (13 जुलाई) को संयुक्त अरब अमीरात ने कहा कि ईरान की मिसाइलो ने ओमान के जलक्षेत्र में उसके दो टैंकरों को निशाना बनाया। इस घटना में एक भारतीय क्रू सदस्य की मौत हुई है, जबकि आठ लोग घायल हुए हैं। इनमें चार गंभीर रूप से घायल हैं। इससे पहले रविवार को भी ईरान की तरफ से साइप्रस के झंडे वाले एक जहाज पर हमला किया गया था, जिसमें सवार 11 भारतीयों में से 10 को बचा लिया गया, जबकि एक भारतीय लापता बताया गया। भारतीय नाविकों वाले इन दो टैंकरों पर हुए हमले के बाद भारत के विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को ईरान के राजनयिक को तलब किया और इन घटनाओं को लेकर जवाब मांगा। अमेरिका–ईरान संघर्ष शुरू होने के बाद से यह पहला मौका नहीं है, जब भारतीय किसी हमले या उसकी वजह से जनित किसी दुर्घटना का शिकार हुए हैं। अब तक दोनों देशों के युद्ध में कम से कम 13 ऐसे मौके आए, जब भारतीय नागरिकों की जान पर खतरा पैदा हुआ। इन कुल 13 में से नौ घटनाएं ईरान के हमले से प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से जुड़ी रहीं, जबकि तीन घटना अमेरिका से जुड़ी रही। वहीं एक घटना को लेकर दोनों ही देशों की संदिग्ध भूमिका की जांच जारी है। इनमें से 11 हमले तो जानलेवा साबित हुए और इनमें कम से कम 14 भारतवासियों की जान जा चुकी है, जबकि एक व्यक्ति लापता है। आइये जानते हैं कि 28 फरवरी को पश्चिम एशिया में संघर्ष शुरू होने के बाद होर्मुज से लेकर खाड़ी के देशों में कितने भारतीय युद्ध के सीधे असर की वजह से जान गंवा चुके हैं... मार्शल आइलैंड्स के झंडे वाला एक वाणिज्यिक तेल टैंकर एमकेडी व्योम , जो नीदरलैंड से सऊदी अरब जा रहा था, पर 1 मार्च, 2026 को ओमान के मस्कट तट (पोर्ट सुल्तान काबूस) से लगभग 52 नॉटिकल मील दूर एक मानव रहित आत्मघाती नाव से हमला किया गया। जहाज पर कुल 21 चालक दल के सदस्य सवार थे, जिनमें 16 भारतीय, 4 बांग्लादेशी और 1 यूक्रेनी नागरिक शामिल थे। इस घटना में एक भारतीय की मौत हो गई थी, जबकि बाकी बचे 20 सदस्यों को सुरक्षित बचा लिया गया। पनामा के ध्वज वाले एक अन्य वाणिज्यिक जहाज एमवी सैंड ने संकट में फंसे चालक दल को तुरंत रेस्क्यू किया, जबकि ओमान की रॉयल नेवी ने स्थिति को संभाला। इस घटना में जान गंवाने वाले नाविक भारत में मुंबई (कांदिवली) के रहने वाले 33 वर्षीय नाविक के तौर पर हुई।

संक्षिप्त

ईरान की नाकेबंदी कब से?: अमेरिकी सेना ने बताया, होर्मुज में शुल्क वसूली को लेकर अराघची ने ट्रंप पर कसा तंज

वाशिंगटन, एजेंसी। होर्मुज जलडमरूमध्य पर शुल्क वसूली को लेकर अमेरिका और ईरान आमने–सामने आ गए हैं। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच अमेरिका मंगलवार से ईरान के खिलाफ समुद्री नाकेबंदी फिर लागू करेगा। यह नाकेबंदी ईरानी बंदरगाहों और तटीय क्षेत्रों में आने–जाने वाले सभी जहाजों पर लागू होगी। अमेरिकी नौसेना के सेंट्रल कमांड ने कहा कि नाकेबंदी 14 जुलाई को अमेरिकी समयानुसार शाम चार बजे से प्रभावी होगी। यह सभी देशों के झंडे वाले जहाजों पर लागू होगी और ईरान के बंदरगाहों, तेल टर्मिनलों तथा तटीय क्षेत्रों को कवर करेगी। सेंटकॉम ने की नाकेबंदी की पुष्टि सेंट्रल कमांड की एडवाइजरी में कहा गया, श्नाकेबंदी वाले क्षेत्र में बिना अनुमति प्रवेश करने या वहां से निकलने वाले किसी भी संदिग्ध जहाज को रोका जा सकता है, उसका रास्ता बदला जा सकता है या उसे कब्जे में लिया जा सकता है। आदेशों का पालन नहीं करने वाले जहाजों के खिलाफ कानूनी रूप से बल का इस्तेमाल भी किया जा सकता है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के निर्देश पर अमेरिकी बल ईरानी बंदरगाहों में आने–जाने वाले समुद्री यातायात की नाकेबंदी फिर शुरू करेंगे। सेंटकॉम ने बयान में कहा, श्सेंटकॉम बल ईरानी बंदरगाहों और तटीय क्षेत्रों की ओर जाने या वहां से आने वाले जहाजों के खिलाफ नाकेबंदी लागू करेंगे। अमेरिकी सेना उन सभी जहाजों की क्षेत्रीय जलक्षेत्र में आवाजाही का समर्थन करती रहेगी जो इस नाकेबंदी का उल्लंघन नहीं कर रहे हैं। अमेरिकी सेना ने तैनात किए कितने युद्धपोत? अमेरिकी सेना ने कहा कि यह अभियान 13 अप्रैल से 18 जून तक लागू रही पिछली नाकेबंदी के बाद दोबारा शुरू किया जा रहा है। उस दौरान अमेरिकी बलों ने 140 से अधिक नियमों का पालन करने वाले जहाजों का मार्ग बदला था, नौ आदेश नहीं मानने वाले जहाजों को निष्क्रिय किया था और 50 से अधिक मानवीय सहायता ले जा रहे जहाजों को गुजरने की अनुमति दी थी। व्यावसायिक जहाजों के चालक दल को ओमान की खाड़ी और होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास परिचालन के दौरान आधिकारिक नौवहन सूचनाओं पर नजर रखने और अमेरिकी नौसैनिक बलों से संपर्क बनाए रखने की सलाह दी गई है। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका ने उत्तरी अरब सागर में इस समय नौसेना के 19 जहाज तैनात किए हैं। इनमें दो विमानवाहक पोत और 10 से अधिक विध्वंसक युद्धपोत शामिल हैं। ट्रंप ने होर्मुज में 20 फीसदी शुल्क का किया एलान इससे पहले सोमवार को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की थी कि अमेरिका श्ईरानी नाकेबंदीश को फिर लागू करेगा और खुद को होर्मुज जलडमरूमध्य का संरक्षक बनाएगा। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर लिखा, श्हम श्ईरानी नाकेबंदीश को फिर लागू कर रहे हैं। बाकी सभी देशों को जलडमरूमध्य का निष्पक्ष और खुला उपयोग मिलता रहेगा। उन्होंने यह भी कहा कि इस रणनीतिक समुद्री मार्ग से गुजरने वाले व्यावसायिक माल पर उसके मूल्य का 20 फीसदी शुल्क लिया जाएगा, ताकि जलडमरूमध्य में सुरक्षा उपलब्ध कराने पर होने वाले अमेरिकी खर्च की भरपाई की जा सके। यह प्रस्ताव अमेरिका की उस लंबे समय से चली आ रही नीति से अलग है, जिसके तहत जलडमरूमध्य को बिना किसी पारगमन शुल्क के सभी जहाजों के लिए खुला रखने का समर्थन किया जाता रहा है। ट्रंप के शुल्क वसूली के पैंतरे पर क्या बोला ईरान?

अमेरिका की होर्मुज में शुल्क वसूली की घोषणा पर ईरान ने तीखी प्रतिक्रिया दी। ईरान ने वॉशिंगटन पर क्षेत्रीय स्थिरता को कमजोर करने का आरोप लगाया। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने एक्स पर ट्रंप के प्रस्ताव का व्यंग्यात्मक अंदाज में जवाब दिया। उन्होंने लिखा, श्अमेरिकी राष्ट्रपति बिल्कुल सही हैं। होर्मुज जलडमरूमध्य से व्यावसायिक जहाजों को सुरक्षित मार्ग उपलब्ध कराने वाला पक्ष इस सेवा के बदले भुगतान पाने का हकदार है। ईरान हमेशा से इस जलडमरूमध्य का संरक्षक रहा है और हमेशा रहेगा। 20 फीसदी निश्चित रूप से बहुत ज्यादा है। हम निष्पक्ष रहेंगे।श अंतरराष्ट्रीय समुद्री संगठन (आईएमओ) ने भी दोहराया है कि किसी अंतरराष्ट्रीय जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों पर अनिवार्य शुल्क लगाने का कोई कानूनी आधार नहीं है।

भारत ने यूएनएससी की अस्थायी सदस्यता के लिए शुरू किया अभियान, सीट के दावे पर क्या बोले एस जयशंकर ?

वाशिंगटन, एजेंसी। भारत ने सोमवार को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (न्छैब) में साल 2028–29 के कार्यकाल के लिए अस्थायी सदस्य के रूप में चुने जाने का अपना अभियान आधिकारिक तौर पर शुरू कर दिया है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में इस अभियान की शुरुआत की।

उन्होंने इस मौके पर भारत की प्राथमिकताओं, शांति स्थापना के रिकॉर्ड और बहुपक्षवाद के प्रति देश की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। विदेश मंत्री ने कहा कि भारत का यह कदम ऐसे समय में आया है जब दुनिया बढ़ते संघर्ष और अस्थिरता का सामना कर रही है। ऐसे में संयुक्त राष्ट्र और सुरक्षा परिषद की भूमिका पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। वैश्विक चुनौतियों पर भारत का दृष्टिकोण विदेश मंत्री ने कहा कि दुनिया इस समय गहरे विरोधाभास का सामना कर रही है। हम हिंसा और अस्थिरता के ऐसे स्तर देख रहे हैं जो दूर बैठे लोगों के लिए भी खतरा पैदा कर रहे हैं।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
.919450482227

क्या पूरे खाड़ी क्षेत्र में फैलने वाला है युद्ध ?: यूएई ने दी ईरान को धमकी, सऊदी अरब पर भी हूतियों का हमला

एजेंसी/पश्चिम एशिया में जारी तनाव लगातार बढ़ रहा है और अब हालात उस तरफ जा रहे हैं, जहां पूरे खाड़ी क्षेत्र में युद्ध बड़े पैमाने पर फैल सकता है। दरअसल ईरान ने ताजा हमले में होर्मुज में संयुक्त अरब अमीरात के टैंकरों को निशाना बनाया है। जिसमें एक भारतीय की मौत हुई है और कई अन्य लोग घायल हुए हैं। ईरान ने हमले की बात स्वीकार कर ली है। इसके बाद यूएई ने तल्ख तेवरों में ईरान को चेतावनी दे डाली है। यूएई ने दी जवाबी कार्रवाई की धमकी

संयुक्त अरब अमीरात के रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार तड़के कहा कि ईरान ने हॉर्मुज जलडमरूमध्य में दो टैंकरों पर हमला किया, जिसमें एक नाविक की मौत हो गई और आठ अन्य घायल हो गए। ईरान ने श्मोम्बासाश और श्अल बहियाहश नामक टैंकरों पर दो क्रूज मिसाइलें दागीं। हमले के बाद दोनों टैंकरों में आग लग गई, हालांकि बाद में आग पर काबू पा लिया गया। रक्षा मंत्रालय ने कहा, श्यूएई इस बढ़ते तनाव का जवाब देने तथा अपने क्षेत्र, अपने नागरिकों और निवासियों की सुरक्षा के लिए सभी आवश्यक कदम उठाने का पूरा अधिकार सुरक्षित रखता है।श मंगलवार सुबह दुबई के ऊपर लड़ाकू विमानों की आवाजें भी सुनी गईं। हूतियों ने सऊदी अरब पर दागी मिसाइलें अमेरिका के हमले के बाद ईरान ने कई खाड़ी देशों को निशाना बनाया है। हालांकि उसने सऊदी अरब के खिलाफ थोड़ा संयम रखा है, लेकिन अब ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने सऊदी अरब पर भी मिसाइल दाग दी है। अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, यमन के हूती विद्रोहियों ने सऊदी अरब के अबहा एयरपोर्ट पर मिसाइल हमला किया है। हूतियों का कहना है कि सऊदी की तरफ से यमन में सना इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर हमला किया गया था और उसी के जवाब में यह मिसाइल हमला किया गया है। एक्सियोस की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका ने सऊदी अरब को सना इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर हमले का समर्थन दिया था। ऐसे में आशंका है कि अब सऊदी अरब भी कार्रवाई कर सकता है। जॉर्डन पर भी ईरान का हमला

जॉर्डन की सेना ने कहा है कि उन्होंने ईरान की तरफ से दागी गई चार मिसाइलों को इंटरसेप्ट किया है। साथ ही ईरान ने बहरीन में भी अमेरिकी सेना की पांचवीं फ्लीट पर हमले का दावा किया है। वहीं इराक में भी मिसाइल हमले हुए हैं। अमेरिका ने होर्मुज पर टोल वसूलने की बात कही

अमेरिका होर्मुज में मुक्त आवाजाही का समर्थक रहा है और यही वजह है कि वह ईरान के होर्मुज में टोल वसूलने का विरोध कर रहा है। दोनों देशों के बीच विवाद की ये एक बड़ी वजह है। हालांकि अब अमेरिका की रणनीति में बदलाव आता दिख रहा है। दरअसल अमेरिका ने ही होर्मुज पर टोल वसूलने की बात कही है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने सोशल मीडिया पर जारी एक पोस्ट में लिखा, श्अब अमेरिका को श्हॉर्मुज जलडमरूमध्य का संरक्षकश कहा जाएगा। दुनिया के इस बेहद संवेदनशील समुद्री मार्ग की सुरक्षा सुनिश्चित करने में होने वाले सभी खर्चों की भरपाई के लिए, यहां से गुजरने वाले प्रत्येक मालवाहक जहाज के माल पर 20 प्रतिशत शुल्क लिया जाएगा। इस व्यवस्था को तत्काल लागू करने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। अमेरिकी राष्ट्रपति के इस बयान पर ईरान ने भी प्रतिक्रिया दी है। ईरान के विदेश मंत्री ने कहा है कि हॉर्मुज जलडमरूमध्य की सुरक्षा हमेशा ईरान ने की है और आगे भी करता रहेगा। उन्होंने ट्रंप की इस बात से सहमति जताई कि जो देश सुरक्षित समुद्री मार्ग उपलब्ध कराता है, उसे उसके बदले उचित भुगतान मिलना चाहिए। हालांकि उन्होंने 20 प्रतिशत शुल्क को अत्यधिक बताते हुए कहा कि श्20 प्रतिशत निश्चित रूप से बहुत ज्यादा है।

चीन में बाढ़ का कहर: सड़क पर तैरती दिखी गाड़ियां, ट्रेन सेवाएं निलंबित, प्रशासन ने जारी किया रेड अलर्ट

एजेंसी/चीन के उत्तरी हेबेई प्रांत और पूर्वोत्तर लियाओनिंग प्रांत में भीषण बाढ़ के कारण सड़कें जलमग्न हो गईं और गाड़ियां बह गईं। वहीं, लोग आस–पड़ोस की सड़कों पर तैरने, पैडल बोर्डिंग करने और वेक सर्फिंग करने का आनंद लेते दिखे।

स्थानीय लोगों ने क्या बताया? स्थानीय आधिकारिक मीडिया

की ओर से प्रसारित एक निवासी के बयान के अनुसार, हेबेई के कुआनचेंग काउंटी में सड़कों पर जलस्तर दो मीटर से अधिक हो गया। कुआनचेंग में जलमग्न सड़क पर कई कारें आपस में टकराती हुई देखी गईं, जब वे ऊपर–नीचे उछल रही थीं। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबित इस साल चीन की मुख्य भूमि से टकराने वाले सबसे शक्तिशाली तूफान, टाइफून बावी के बाद बाढ़ आई। अधिकारियों ने क्या चेतावनी दी? अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि तूफान जिलिन, लियाओनिंग, हेबेई, शेडोंग, जियांग्सू और अनहुई प्रांतों में मूसलाधार बारिश करेगा, जिससे उन क्षेत्रों में बाढ़ का खतरा बढ़ जाएगा जो पहले की भारी बारिश से पहले ही जलमग्न हो चुके हैं। बाढ़ के लिए रेड अलर्ट जारी सरकारी प्रसारक सीसीटीवी की रिपोर्ट के अनुसार, कुआनचेंग में लगभग 1,800 ग्रामीण फंसे हुए हैं। वहीं, अधिकारियों ने कहा कि निवासियों को स्थानांतरित करना और पुनर्स्थापित करना उनकी प्राथमिकता है। लियाओनिंग में, अधिकारियों ने अचानक बाढ़ के लिए रेड अलर्ट जारी किया है और अत्यधिक जोखिम की चेतावनी दी है। अधिकारियों ने क्या बताया? हेबेई अधिकारियों ने वीचौट पर एक बयान में कहा कि भारी बारिश के लिए रेड अलर्ट जारी होने के दौरान, सभी प्रकार के काम बंद करने, व्यवसायों को बंद करने और सभाओं को पूरी तरह से लागू किया जाना चाहिए। रेडनोट (चीन में शियाओहोंग्शू के नाम से जाना जाता है) पर मौजूद वीडियो में शेनयांग, लियाओनिंग में एक व्यक्ति को सड़क पर बैकस्ट्रोक तैरते हुए दिखाया गया है।

वहीं, सड़क के किनारे खड़ी कारों की कतारें लगभग पूरी तरह से पानी में डूबी हुई हैं। चीन रेलवे ने सोमवार को बताया कि शेनयांग में कई ट्रेन सेवाएं भी निलंबित कर दी गईं, जिससे रेलवे के 30 से अधिक खंड प्रभावित हुए। पूर्वोत्तर प्रांत जिलिन सहित कई क्षेत्रों में स्कूल बंद कर दिए गए हैं।

ईरान की सेना ध्वस्त, हम कर रहे हैं भारी हमले: ट्रंप का बड़ा बयान, ईरान पर समझौता तोड़ने का लगाया आरोप

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को कहा कि ईरान की सेना पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है और उस पर बहुत भारी हमले किए जा रहे हैं। पत्रकारों से बातचीत में ट्रंप ने दावा किया कि हाल ही में एक समझौता हुआ था, लेकिन तेहरान ने उसे तुरंत तोड़ दिया। उन्होंने कहा, हमारा एक–दो दिन पहले ही समझौता हुआ था, लेकिन उन्होंने इसे तुरंत तोड़ दिया क्योंकि उन्हें इसमें कुछ पसंद नहीं आया। हम इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे। हम आज रात उन पर हमला कर रहे हैं और होर्मुज जलडमरूमध्य से जुड़ी उनकी सभी क्षमताओं को खत्म कर रहे हैं। ट्रंप ने कहा कि अंत में हम पूरी स्थिति पर नियंत्रण पा लेंगे। उन्होंने ईरानी नेतृत्व को मूर्ख बताते हुए कहा कि वहां अब तक 52,000 प्रदर्शनकारियों को मारा जा चुका है। क्यूबा में ईरानी ड्रोन और ट्रंप का संबोधन क्यूबा में ईरानी ड्रोनों की संदिग्ध मौजूदगी की खबरों पर ट्रंप ने कहा कि अमेरिका इस स्थिति पर नजर रख रहा है और किसी भी तैनाती को रोकेगा। इसके साथ ही ट्रंप ने घोषणा की कि वह गुरुवार, 16 जुलाई को रात नौ बजे (पूर्वी समय) देश को संबोधित करेंगे। लगातार तीसरे दिन अमेरिकी हमले और नाकेबंदी यह तनाव तब बढ़ा जब ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (प्ल्ळब) ने होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद कर दिया था। इसके जवाब में अमेरिका ने तेहरान में 140 ठिकानों पर हमले किए। अब अमेरिकी सेंट्रल कमांड (ब्म्छज्ब्ट्ड) ने कमांडर–इन–चीफ के निर्देश पर लगातार तीसरे दिन शाम 4रू45 बजे से ईरान पर हवाई हमले शुरू कर दिए हैं। सेंट्रल कमांड ने बताया कि इन हमलों का उद्देश्य ईरानी बलों को भारी नुकसान पहुंचाना और होर्मुज जलडमरूमध्य में निर्दोष नागरिकों और व्यापारिक जहाजों पर हमला करने की उनकी क्षमता को कमजोर करना है। इसके साथ ही सोमवार शाम 4 बजे से ईरानी बंदरगाहों की समुद्री नाकेबंदी भी फिर से शुरू कर दी गई है। नाकेबंदी का इतिहास और नाविकों को सलाह

इससे पहले 13 अप्रैल से 18 जून तक नाकेबंदी की गई थी। उस दौरान अमेरिकी बलों ने नियमों का पालन करने वाले 140 से अधिक जहाजों के रास्ते बदले थे, नियमों का उल्लंघन करने वाले 9 जहाजों को निष्क्रिय किया था और मानवीय सहायता वाले 50 से अधिक जहाजों को जाने दिया था। सेंट्रल कमांड ने ओमान की खाड़ी और होर्मुज जलडमरूमध्य में काम करने वाले नाविकों को चौनल 16 पर अमेरिकी नौसेना से संपर्क बनाए रखने की सलाह दी है। सुरक्षा शुल्क और ईरान की जवाबी चेतावनी ट्रंप ने घोषणा की कि अमेरिका होर्मुज जलडमरूमध्य में सुरक्षा देने के लिए सभी जहाजों के माल (कार्गो) पर 20 प्रतिशत शुल्क लेगा। उन्होंने कहा कि अमेरिका को अब श्होर्मुज जलडमरूमध्य का रक्षकश माना जाएगा। ट्रंप ने इस शुल्क का बचाव करते हुए कहा कि इस अशांत समुद्री मार्ग को सुरक्षित रखने के खर्च को पूरा करने के लिए यह कदम जरूरी है। हालांकि, उन्होंने यह भी भरोसा दिया कि तनाव के बावजूद दुनिया के बाकी देशों के लिए यह समुद्री मार्ग खुला रहेगा।

इसके जवाब में ईरान ने कड़ी चेतावनी दी है। खातम अल–अंबिया सेंट्रल हेडक्वार्टर के प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल इब्राहिम जोलफाघरी ने कहा कि तेहरान किसी भी हाल में अमेरिका को होर्मुज जलडमरूमध्य के प्रबंधन में दखल नहीं देने देगा। उन्होंने चेतावनी दी कि ईरान के सशस्त्र बलों की अनुमति और तय रास्ते के बिना किसी भी जहाज को सुरक्षा देने की अमेरिकी सैन्य कार्रवाई का कड़ा जवाब दिया जाएगा।

अरब सागर में हेलीकॉप्टर दुर्घटना में अमेरिकी पायलट की मौत, ईरान यद्ध में यूएस ने कितने सैनिक गंवाए?

वाशिंगटन, एजेंसी। अरब सागर में जुलाई की शुरुआत में एक हेलीकॉप्टर दुर्घटना में नौसेना के एक पायलट की मौत हो गई। अब ईरान युद्ध में मरने वाले अमेरिकी सैन्य कर्मियों की आधिकारिक संख्या बढ़कर 14 हो गई है। सोमवार तक संघर्ष में घायल सैनिकों की संख्या भी बढ़कर 400 से अधिक हो गई है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।